सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की पेज: 7

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स ने महीप कपूर पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 312 | शनिवार 21 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'मनसुख-पर्यटन' पर निकले सीएम योगी? अखिलेश यादव ने जापान दौरे को लेकर कसा तंज

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री को अपनी आगामी जापान यात्रा में क्योटो जरूर जाना चाहिए और समझना चाहिए कि सरकार वाराणसी का विकास उसी तर्ज पर क्यों नहीं कर पाई। पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर आप जापान जा रहे हैं, तो क्योटो जरूर जाएं, ताकि आप समझ सकें कि प्रधान-संसदीय क्षेत्र काशी क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया, या इसकी विरासत कैसे धूमिल हुई। विरासत संरक्षण और शहरों के विकास के सकारात्मक सबक लेकर जापान से लौटें। आगे कटाक्ष करते हुए यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मौजूदा कार्यकाल के आखिरी साल में मनसुख-पर्यटन चला रहे हैं।

असम से अमित शाह का बड़ा वादा, कांग्रेस राज के हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर भेजेंगे वापस

दावा किया कि भाजपा सरकार ने इस पर लगाम लगाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में घुसपैठ के लिए कांग्रेस की खुली सीमा नीति को जिम्मेदार ठहराया, दावा किया कि भाजपा सरकार ने इस पर लगाम लगाई है और सत्ता में लौटने पर हर घुसपैठिए को वापस भेजने का वादा किया।

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर सीमा सुरक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खुली सीमाओं के कारण असम में घुसपैठ हुई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। असम के कछार जिले में एक जनसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस राज्य में सार्थक विकास पहल शुरू करने में विफल रही, वहीं असम में अब बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, जहां प्रतिदिन लगभग 14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है - जो देश में सबसे अधिक दरों में से एक है। अमित शाह ने कहा कि आज एक तरह से वाइब्रेंट विलेज क्कक की शुरूआत हो रही है। वाइब्रेंट विलेज क्कक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों में भारत के सभी गांवों के बराबर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू किया है... एक समय था जब सीमावर्ती गांवों को देश के अंतिम गांव कहा जाता था। ये अंतिम गांव न केवल सीमाओं के कारण अंतिम थे, बल्कि विकास के मामले में भी पिछड़े हुए थे। रोजगार, बिजली और शिक्षा के मामले में वे पिछड़े हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेज क्कक कार्यक्रम में यह संकल्प लिया है कि सीमा पर स्थित हर गांव अंतिम गांव नहीं, बल्कि भारत का पहला गांव है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज क्कक परियोजना की लागत 6,900 करोड़ रुपये होगी और इसमें 17 राज्यों के 334 ब्लॉक और 1,954 गांव शामिल होंगे, जिनमें असम के नौ जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव शामिल हैं। असम के इन 140 गांवों में भारत के हर गांव के समान सुविधाएं होंगी। इस 7 हजार करोड़ रुपये के कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 2 हजार गांवों का विकास करना है। इसमें सुरक्षा संबंधी योजनाएं, योजना संतृप्ति योजनाएं और कई कनेक्टिविटी पहल सहित व्यापक योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि असम दो समस्याओं से जूझ रहा था: घुसपैठिए असमिया लोगों के अधिकारों का हनन कर रहे थे। कांग्रेस सरकारों ने हमारी सीमाओं को घुसपैठियों के लिए खुला छोड़ दिया। घुसपैठिए लगातार असम में प्रवेश करते रहे। असम के युवाओं की नौकरियां, गरीबों का अनाज और गांवों की जमीन छीनकर असम की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास किया गया। असम की जनता ने दस साल पहले भाजपा सरकार के गठन की पहल की और पहले पांच वर्षों में हमने घुसपैठ रोकने के लिए काम किया। दूसरे पांच वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई लाखों एकड़ जमीन को खाली कराने और उन्हें बाहर निकालने के लिए काम किया। अब तीसरी बार चुनाव आ रहे हैं, यहां एक बार फिर भाजपा सरकार बनाएं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कांग्रेस शासन में घुसने वाले हर एक घुसपैठिए को हम वापस भेज देंगे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर कब लगेगी फाइनल मुहर? इन देशों के साथ ही लागू होगा समझौता

नई दिल्ली एजेंसी: भारत 2026 में कई व्यापार सौदों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए तैयार है, जिसकी शुरूआत अप्रैल में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के लागू होने से होगी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि इसी महीने, नई दिल्ली के ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भी लागू होने की संभावना है। गोयल ने कहा कि इसके बाद न्यूजीलैंड के साथ भारत का व्यापार समझौता सितंबर में लागू होने की उम्मीद है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने और अप्रैल में इसके लागू होने की संभावना है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रगति नई दिल्ली और वाशिंगटन के अधिकारी 23 फरवरी को अमेरिका में अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने वाले हैं। एचटी ने पहले बताया था कि भारत अपने मुख्य वातार्कार दर्पण जैन को अगले सप्ताह अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में भेज रहा है ताकि दोनों देशों के 7 फरवरी के संयुक्त बयान के अनुरूप समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप दिया जा सके। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने एचटी को बताया, संयुक्त बयान भारत और अमेरिका के बीच हुए फ्रेमवर्क समझौते से संबंधित है संयुक्त बयान में समझौते की रूपरेखा निर्धारित की गई है। अब समझौते की रूपरेखा को एक कानूनी समझौते में बदलना होगा, जिस पर दोनों पक्ष हस्ताक्षर करेंगे। इसलिए, जैसा कि मैं अभी बात कर रहा हूं, दोनों पक्ष उस कानूनी समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि वाशिंगटन से उम्मीद है कि वह भारतीय माल निर्यात पर 25% पारस्परिक शुल्क को जल्द ही, संभवतः इसी सप्ताह के शुरू में, घटाकर 18% कर देगा। अग्रवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य मार्च तक कानूनी समझौते को अंतिम रूप देना, उसे अंतिम रूप देना और उस पर हस्ताक्षर करना है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया 25% दंडात्मक टैरिफ "पहले ही हटा दिया गया है। दूसरे 25% पारस्परिक टैरिफ को घटाकर 18% करने के बारे में उन्होंने कहा मुझे बताया गया है कि वे इस पर काम कर रहे हैं। यह जल्द ही हो जाना चाहिए।

एआई बैठक में कांग्रेस के प्रदर्शन पर भड़के योगी आदित्यनाथ, बोले- अराजकता फैलाने की कोशिश

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस के युवा विंग द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा करते हुए इसे शर्मनाक घटना और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास बताया। उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी के युवा विंग ने भारत मंडपम में एक शर्मनाक घटना को अंजाम दिया। वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। ये लोग देश की कीमत पर खेल खेलना चाहते हैं। जहां 100 से अधिक देशों के लोग भाग ले रहे हैं, वहां वे इस तरह का अराजकता पैदा करके अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रत्येक भारतीय को इस घटना की निंदा करनी चाहिए। इसके पीछे जो भी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने यहां हल्ला करने की कोशिश की है। मैंने अपने नौजवानों से बात की कि उन्हें क्या लगता है इस हल्ले पर?... उन्हें कोई नहीं समझा सकता है... इस समय हमें राजनीति से समिट को ऊपर रखना चाहिए। भाजपा नेता निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश के खिलाफ और देश को नीचा दिखाने का काम करती रही है। अभी भी देश जब पूरी दुनिया के सामने पहली बार एआई समिट कर रहा है, पूरी दुनिया के दिग्गज नेता जब यहां आ रहे हैं तब जाकर शायद उन्हें खराब लग रहा है। शायद उन्हें याद आया कि भारत की छवि धूमिल करनी है, इसलिए वे प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका स्वभाव ही है भारत को नीचा दिखाना। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एआई समिट में सिर्फ. अपनी शर्ट नहीं उतारी, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि कांग्रेस कैसे भारत विरोधी है। यह देशद्रोह है। यह हमारे देश की इमेज के साथ छेड़छाड़ है... मैं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके लिए राजनीति देश से बड़ी है? क्या उन्होंने देश की इज्जत से खेलने के लिए कोई सीक्रेट डील साइन की है? क्या यह कांग्रेस का असली चेहरा है?

तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन का बड़ा ऐलान, 'द्रविड़ मॉडल 2.0' तोड़ेगा सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले विश्वास जताते हुए कहा कि डीएमके सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटेगी। तमिलनाडु विधानसभा में आज अंतरिम बजट पर बहस के दौरान, स्टालिन ने अपनी सरकार के पांच साल के सफर पर विचार किया और भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो 'द्रविड़ मॉडल 2.0' सरकार बनाने जा रहे हैं, वह हमारी पिछली उपलब्धियों को भी पार कर जाएगी। हम फिर से जीतेंगे। हम फिर से सरकार बनाएंगे। पिछले चुनाव का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि जब द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम ने सरकार बनाई थी, तब उन्हें खुशी और चिंता दोनों का अनुभव हुआ था। उन्होंने कहा कि जब हम जीते और सरकार बनाई, तो एक तरफ खुशी थी, लेकिन दूसरी तरफ चिंता भी थी। मैं सोच रहा था कि मैं इस जिम्मेदारी को कैसे निभाऊंगा। क्या मैं वादे पूरे कर पाऊंगा? क्या मैं जनता की इच्छा के अनुसार शासन कर पाऊंगा? स्टालिन ने कहा कि सरकार ने पिछली सरकारों के कामकाज के कारण उत्पन्न गंभीर बाधाओं और उनके द्वारा वर्णित गैर-सहयोगी केंद्र सरकार के बीच कार्यभार संभाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी, हम बहाने बनाकर निष्क्रिय नहीं बैठे, बल्कि कई योजनाओं को लागू किया। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन ने सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास की दिशा में काम किया। पिछले पांच वर्षों में शुरू की गई प्रमुख पहलों को सूचीबद्ध करते हुए, उन्होंने विदियाल पयानम, कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थिट्टम, नान मुधलवन, नाश्ता योजना, पुधुमाई पेन, सरकारी कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित पेंशन योजना, इनुयिर काप्पम और नम्मई काक्कुम 48 जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने 4,000 से अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार और अभिषेक का भी जिक्र किया।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी का बड़ा हमला, बोले- 'अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं प्रधानमंत्री'

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में इस्तेमाल किए गए अपने जिउ-जित्सु के उदाहरण को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक "पकड़" और "दबाव" में "फंसे" हुए हैं, जो जनता को दिखाई नहीं देते। पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए गांधी ने उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि मैंने संसद में अपने भाषण में जिउ-जित्सु का उदाहरण क्यों दिया। मैंने पकड़ और दबाव का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ-जित्सु खेल में होते हैं और इसी तरह प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में भी इसी तरह के तरीके मौजूद हैं, लेकिन जनता को दिखाई नहीं देते। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राजनीतिक पकड़ और दबाव ज्यादातर छिपे रहते हैं। आम आदमी उन्हें देख नहीं पाता। और यह देखने के लिए कि दबाव कहां लगाया जा रहा है, आपको ध्यान से देखना होगा। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई दबावों के बीच "फंसे" हुए हैं। अमेरिका में अडानी मामले और एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय नाम उन फाइलों से जुड़े हैं जिन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। गांधी ने कहा कि एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है, और दूसरी तरफ अमेरिका। और हमारे प्रधानमंत्री इन दोनों के बीच फंसे हुए हैं। वे फँसे हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से कायम है और उस छवि पर नियंत्रण भारत के बाहर के लोगों के हाथों में है। गांधी ने दावा किया कि नीतिगत फैसलों का असर किसानों और कपड़ा क्षेत्र पर पड़ सकता है

बंगाल वोटर लिस्ट विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा दखल, अब अदालती अधिकारी करेंगे जांच

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की देखरेख के लिए सेवारत या पूर्व अतिरिक्त जिला न्यायाधीशों को न्यायिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा कि इन अधिकारियों की नियुक्ति कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाएगी, और यह भी कहा कि बंगाल सरकार और भारत निर्वाचन आयोग के बीच विश्वास की कमी को देखते हुए उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा विचारणीय प्रमुख मुद्दा पश्चिम बंगाल में चल रहे अंतरिम निर्देश (एसआईआर) का पूरा होना है। समय-समय पर विभिन्न अंतरिम निर्देश जारी किए जाते हैं। एक दुर्भाग्यपूर्ण आरोप/प्रति-आरोप है जो स्पष्ट रूप से दो संवैधानिक पदाधिकारियों - लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राज्य सरकार और चुनाव आयोग (ईसीआई) के बीच विश्वास की कमी को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच चल रहे "दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप" के कारण उसके पास इस कदम को उठाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था। यह कदम इस विवाद के कारण उठाया गया कि क्या बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग को मतदाता रजिस्टर अधिकारी (ईआरओ) के रूप में कार्य करने के लिए एसडीएम रैंक के पर्याप्त ग्रुप बी अधिकारी उपलब्ध कराए हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने चुनाव आयोग द्वारा अपने द्वारा नियुक्त सूक्ष्म पर्यवेक्षकों और विशेष रोल पर्यवेक्षकों पर निर्भरता पर आपत्ति जताई। बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारी ईआरओ का कार्यभार संभालेंगे। दस्तावेजों के निष्पक्ष मूल्यांकन और मतदाता सूची में शामिल/बाहर किए जाने के निर्धारण में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, और दोनों पक्षों द्वारा सहमति के अनुसार, हमारे पास कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचता कि वे कुछ सेवारत न्यायिक अधिकारियों और कुछ पूर्व, ईमानदार न्यायिक अधिकारियों को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के पद पर नियुक्त करें...

एआई बैठक में कांग्रेस के हंगामे पर भड़के राजनाथ, कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को किया शर्मसार, शिवराज का सोनिया-खड़गे से सीधा सवाल

एआई समिट में युवा कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें राजनाथ सिंह और शिवराज सिंह चौहान ने इसे 'भारत विरोधी' और 'राजद्रोह' करार दिया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की है।

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन किया, एआई इम्पैक्ट समिट की आलोचना की और प्रधानमंत्री पर समझौते में शामिल होने का आरोप लगाया। इसके बाद से भाजपा लगातार कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट के जरिए कांग्रेस की जमकर आलोचना की। राजनाथ ने एक्स पर लिखा कि जब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना। राजनाथ ने आगे लिखा कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूँ। उन्होंने कहा कि जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में सिर्फ अपनी कमीजें ही नहीं उतारीं, बल्कि उन्होंने यह भी उजागर कर दिया कि कांग्रेस भारत विरोधी है। यह राजद्रोह है। यह हमारे देश की छवि के साथ खिलवाड़ है। मैं सोनिया गांधी जी और मल्लिकार्जुन खरगे जी से पूछना चाहता हूं, क्या उनके लिए राजनीति देश से बड़ी है? क्या उन्होंने देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करने के लिए कोई गुप्त समझौता किया है? क्या यही कांग्रेस का असली चेहरा है? जनता इसे माफ नहीं करेगी। तरुण चुघ ने कहा कि भारत की छवि धूमिल करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अपराध अक्षम्य है। देश की जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी... राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी विदेशी हथकंडों का इस्तेमाल करते हुए हर तरह की घिनौनी साजिश रचती रहती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पर शर्म आती है, राहुल गांधी के निर्देश पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन में हंगामा किया! भारत विरोधी कांग्रेस! कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस शहरी नक्सलियों की तरह व्यवहार कर रही है।

संपादकीय

मुफ्त की महंगी कीमत

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए।

कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वर्षगांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है!

डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकर्षण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है।

इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ असली-नकली हिंदू कौन?

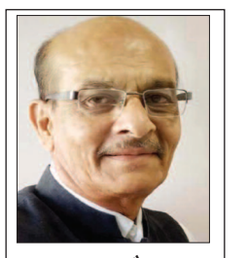

सनत जैन

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने योगी सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, कि मुख्यमंत्री योगी ने 20 दिन में निर्णय नहीं लिया तो वह लखनऊ की ओर कूच करेंगे। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 'हिंदू होने का प्रमाण' मांगा था। शंकराचार्य ने गो-रक्षा के मुद्दे पर कानून बनाने के लिए कहा था। उनकी इस मांग पर राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 20 दिन बीत जाने के बावजूद योगी ने ना तो हिंदू होने का प्रमाण दिया है ना ही गौ रक्षा के मामले में कोई ठोस निर्णय ही सामने आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को चेतावनी दी है, यदि तय समय सीमा में कदम नहीं उठाया गया तो वह 11 मार्च तक लखनऊ की ओर प्रस्थान करेंगे। प्रयागराज में हुई घटना में बटुकों के साथ कथित बदसलूकी, मारपीट और ज्यादती को लेकर उत्तर प्रदेश के दो उपमुख्यमंत्री योगी के विरोध में खड़े हो गए हैं। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने घर पर बटुकों को बुलाकर उनका सम्मान किया है जिसके कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा और संघ की स्थिति चिंताजनक हो गई है। भारतीय राजनीति में 80 और 20 का समीकरण बनाकर हिंदुओं को एकजुट करने का जो प्रयास किया गया था, वह उत्तर प्रदेश से ही टूटता हुआ नजर आ रहा है। यूजीसी ने जो नए नियम लागू किए थे, उसके बाद हिंदुओं में सामान्य जातियों, पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी को लेकर हिंदू बिखरने की स्थिति में आ गए हैं। रही-सही कसर शंकराचार्य और योगी महाराज के बीच जो विवाद चल रहा है, उसस हिंदुओं का हर वर्ग नाराज नजर आ रहा है। शंकराचार्य के साथ योगी के विवाद तथा यूजीसी की अधिसूचना के बाद हिंदुओं में बिखराव का एक नया दौर शुरू हो गया है।

भारतीय राजनीति एक बार फिर से अलग करवट लेने जा रही है। ब्राह्मण और दलित समुदाय के उपमुख्यमंत्री खुलकर शंकराचार्य के साथ आ गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नई राजनीतिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में संघ और भाजपा दोनों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस मामले को सुलझाने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत को उत्तर प्रदेश की यात्रा करनी पड़ी। उसके बाद भी विवाद सुलझने के स्थान पर उलझता चला जा रहा है। राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के साथ विधायकों का एक बड़ा समूह योगी के विरोध में खड़ा हो गया है। जिससे स्पष्ट है, मामला गंभीर है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को शंकराचार्य को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना होगा। उत्तर प्रदेश में दलित, अल्पसंख्यक, पिछडा वर्ग और ब्राह्मण भाजपा से नाराज हैं। अब असली और नकली हिंदुओं की बात होने लगी है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था। गौ हत्या और को मांस के निर्यात को लेकर अब शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से योगी और हिंदू होने का प्रमाण मांग कर भाजपा के लिए एक परेशानी खड़ी कर दी है। शंकराचार्य ने कहा मुख्यमंत्री योगी ने सनातन और हिंदुओं के विरुद्ध जो 'कचरा फैलाया है'। उसे भाजपा को स्वयं साफ करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक पार्टी स्पष्ट रूप से यह नहीं दिखाती वह हिंदुओं और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। तब तक संत समाज को भाजपा के हिंदुत्व पर अब विश्वास नहीं होगा। शंकराचार्य के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर होना तय है। राजनीतिक विश्लेषक यह मानकर चल रहे हैं, भाजपा ने हिंदू वर्सेस अल्पसंख्यक का जो धार्मिक ध्रुवीकरण तैयार कर हिंदुओं को एकजुट किया था अब उसके बिखरने का समय आ गया है। हिंदू धर्म के शीर्ष पर बैठे शंकराचार्य जब सार्वजनिक नाराजगी व्यक्त करने लगे और योगी जैसे मठाधीश को जब हिंदू मानने से इनकार कर दें ऐसी स्थिति में राहुल गांधी ने संसद के अंदर जो असली और नकली हिंदू का मामला उठाया था अब इस मामले को शंकराचार्य हवा दे रहे हैं। जिसके कारण यह माना जा रहा है, देश की राजनीति एक बदलाव के मुकाम पर आकर खड़ी हो गई है। संघ और भाजपा ने समय रहते इस बिखराव को नहीं रोका तो आगे चलकर भाजपा और संघ को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश की सरकार पर अस्तित्व का संकट देखने को मिलने लगा है। यह बात केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पडना तय है।

तंबाकू महामारी-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और नैतिकता पर बहुआयामी आघात तथा भारत में पूर्ण निषेध की तात्कालिक आवश्यकता

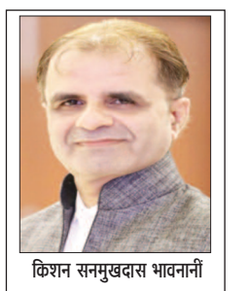

किशन सनमुखदास भावनानीं

तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है- व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू करना जरूरी...

वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं?या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर,हृदयाघात,स्ट्रोक,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर- संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है।

साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है। शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं।यह दशार्ता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है।

साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यतः गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है।

साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है।

साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है।

साथियों बात अगर हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यतः कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।जब तकतंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को समझने की करें तो यहदशार्ते हैं कि कठोर नीतियाँप्रभावी हो सकती हैं। कुछ देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण धूम्रपान प्रतिबंध, सादे पैकेजिंग और भारी जुर्मानें लागू कर तंबाकू सेवन में उल्लेखनीय कमी लाई है। भारत भी यदि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए, तो चरणबद्ध तरीके से उत्पादन, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

फरवरी 21 को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज' है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार कलेक्ट्रेट अमरोहा में संपन्न हुई। हाईवे पर अवैध कट के कारण होने वाली दुघर्टनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने एनएच के अधिकारियों को अवैध कटों को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जो भी मेजर रोड है उन पर सफेद पट्टी अवश्य लगाएं। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि जनपद की समस्त नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के की सड़कों पर अधिशासी अधिकारी सफेद पट्टी अवश्य लगवाएँ। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूलों में चल रहे वाहन और वाहन चालकों की फिटनेस आदि का परीक्षण अवश्य कर लें और वाहन चालकों की आई टेस्ट जरूर करा ले। उन्होंने प्रतिनिधि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की कक्षा आठ तक के जो भी विद्यालय हैं उनमें जो स्कूल बस लगाई गई है या अन्य वाहन है उनका वेरिफिकेशन कर मानक के अनुसार फिटनेस अवश्य चेक कर लें। उन्होंने एआरटीओ को निर्देश दिए कि जितने भी अनफिट वहां स्कूलों में है उनकी सॉन्ग चेकिंग करें और इसी के साथ स्कूल बस एसोसिएशन ड्राइवर संगठन में जितने भी वहां है उनकी भी चेकिंग कर ली जाए। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि निजी अस्पतालों में जितनी भी एंबुलेंस है उनका लाइसेंस सत्यापन अवश्य करने यह कार्य शत प्रतिशत होना चाहिए निजी अस्पतालों में कितनी एंबुलेंस संचालित है उसकी एक सूची अवश्य उपलब्ध करा दें। इस अवसर पर ए आर टी ओ बबिता वर्मा, अनिल जग्गा सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विनयिमित क्षेत्र कार्यालय, तहसील अमरोहा का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा विनयिमित क्षेत्र कार्यालय, तहसील अमरोहा का गहनता से निरीक्षण किया। विनियमित क्षेत्र कार्यालय में लगे सी0सी0टी0वी0 कैमरे न चलते पाये जाने पर सम्बन्धित को जबावदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण में विनियमित क्षेत्र कार्यालय में अव्यवस्था, अनियमिता, फाइलों का उचित रख-रखाव न होना पाया गया। निरीक्षण में 03 फाइलें गायब पाए जाने और 01 फाइल जे0ई0, विनियमित क्षेत्र भानु प्रताप द्वारा उनके घर पर बताए जाने पर जिलाधिकारी ने जे0ई0 विनियमित क्षेत्र भानु प्रताप एवं विनियमित क्षेत्र कार्यालय के बाबू आशीष यादव के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वैध-अवैध भूमि, कॉलोनी की स्थिति एवं कितनी कब्जामुक्त करायी गई, कितनी शेष हैं की जानकारी प्राप्त की। उन्होनें सख्त निर्देश दिये कि कोई फाईलें अधूरी न चलें, फाइलों का तामील न होने एवं मौके पर जाकर सत्यापन के फोटो फाइलों में न लगाये जाने पर मंशा को संशयपूर्ण बताया। आशीष यादव द्वारा सही से मॉनीटरिंग, नोटिस भेजने के उपरान्त अनुस्मारक न भेजने एवं कार्य न करने पर कड़ी फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी का कार्यालय पर सही प्रकार नियंत्रण न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तहसील शैलेश कुमार दुबे, उप जिलाधिकारी शुभी गुप्ता, तहसीलदार विजय श्याम, प्रशासनिक अधिकारी शैलेन्द्र शर्मा आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए।डीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करते हुए वसूली करें। जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, मंडी समिति, बाट माप विभाग, सिंचाई, खनिज, स्टाम्प एवं निबंधन और वाणिज्य कर की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। उन्होंने आबकारी अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि किसी प्रकार की ओवर रेटिंग न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। डीएम ने अवैध खनन व परिवहन पर प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रास्तों में पड़ने वाली चौकी सहित मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। वाणिज्य कर विभाग की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक व्यापारियों के पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग को अवैध कनेक्शन और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उप संभागीय परिवहन विभाग परिसर में परिवहन मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उप संभागीय परिवहन विभाग परिसर में परिवहन मेले का आयोजन किया गया, जिसमें वाहन स्वामियों और चालकों को नई टैक्स स्कीम की जानकारी दी गई। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने बताया कि पहले प्राइवेट वाहनों को ही एकमुश्त कर जमा करने की सुविधा थी। कई लोग वाहन को प्राइवेट दिखाकर व्यावसायिक उपयोग करते थे, जिसके कारण टैक्स चोरी के आरोप में वाहन सीज हो जाते थे और भारी जुमार्ना लगता था। अब नई योजना के तहत प्राइवेट वाहन के टैक्स से मात्र ढाई प्रतिशत अतिरिक्त कर देकर और आवश्यक दस्तावेज पूरे करके वाहन को स्थायी रूप से व्यावसायिक उपयोग के लिए अधिकृत किया जा सकता है। एआरटीओ प्रशासन बबीता वर्मा ने कहा कि यह स्कीम 7500 किलोग्राम या उससे कम वजन के माल वाहनों सहित किसी भी प्रकार के वाहन पर लागू है। यह सुविधा न केवल नए वाहनों के लिए, बल्कि पुराने वाहनों के लिए भी उपलब्ध है। पीटीओ सुधीर सिंह ने स्पष्ट किया कि इस योजना के तहत सालाना टैक्स पहले की तुलना में लगभग एक तिहाई ही होगा, जो वाहन मालिकों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। समाजसेवी अनिल जग्गा ने विस्तार से जानकारी देते हुए पैंफलेट के माध्यम से स्कीम समझाई और बताया कि यह मेला जागरूकता फैलाने के लिए लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा रिक्रुट आरक्षियों को फायरिंग अभ्यास कराकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को अमित कुमार आनंद, पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा आरटीसी कैम्पस डिडौली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रुट आरक्षियों को बिजनौर स्थित फायरिंग रेंज में फायरिंग अभ्यास कराया गया। बता दें कि इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने रिक्रुट आरक्षियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों के सुरक्षित संचालन, लक्ष्यभेदन की तकनीक, फायरिंग के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन तथा आपात परिस्थितियों में संयम एवं सतर्कता बनाए रखने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों को बताया कि फायरिंग केवल तकनीकी दक्षता का विषय नहीं है, बल्कि अनुशासन, मानसिक संतुलन और जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए संबंधित प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा रिक्रुट आरक्षियों को नियमित अभ्यास, शारीरिक दक्षता एवं विधिक ज्ञान को समान रूप से मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में तकनीकी दक्षता, त्वरित निर्णय क्षमता और कानून के प्रति प्रतिबद्धता अत्यंत आवश्यक है। सभी रिक्रुट आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।अमरोहा पुलिस जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं पुलिस बल को दक्ष एवं सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है।

अमरोहा एसपी ने मण्डी समिति स्थित पुलिस लाइन का किया वार्षिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को अमित कुमार आनंद, पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा मण्डी समिति स्थित पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं की व्यवस्थाओं, संसाधनों की उपलब्धता, अभिलेखों के रख-रखाव, अनुशासन एवं कार्यप्रणाली का समग्र मूल्यांकन करना रहा। बता दें कि निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम आमोर्री का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए शस्त्रों एवं कारतूसों के सुरक्षित भंडारण, नियमित देखभाल, साफ-सफाई तथा अभिलेखों के अद्यतन संधारण की स्थिति की जांच की गई। शस्त्रों की समय-समय पर तकनीकी जांच एवं रखरखाव में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात मैस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, खाद्य सामग्री के भंडारण एवं मेस प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा कार्मिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। जी.डी. कार्यालय एवं जी.बी. स्टोर का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, स्टॉक रजिस्टरों के अद्यतन रख-रखाव एवं सामग्री के समुचित वितरण की व्यवस्था का परीक्षण किया गया। आवश्यक अभिलेखों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रखने के निर्देश दिए गए। फील्ड यूनिट कार्यालय का निरीक्षण कर उपलब्ध उपकरणों, संसाधनों एवं तकनीकी साधनों की कार्यक्षमता की समीक्षा की गई। आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग, साक्ष्य संकलन की गुणवत्ता तथा त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।इसके अतिरिक्त एम.टी. शाखा (मोटर ट्रांसपोर्ट शाखा) का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सरकारी वाहनों की स्थिति, उनकी नियमित सर्विसिंग, मेंटेनेंस रजिस्टर, ईंधन उपभोग विवरण एवं ड्यूटी आवंटन रजिस्टर की जांच की गई। संबंधित को निर्देशित किया गया कि सभी वाहन पूर्ण रूप से क्रियाशील अवस्था में रहें तथा आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया हेतु सदैव तैयार रहें। वाहन लॉगबुक एवं अभिलेखों का नियमित अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।समस्त शाखा प्रभारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन, क्षेत्राधिकारी नगर सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।अमरोहा पुलिस द्वारा जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा पुलिस संसाधनों के प्रभावी संचालन हेतु इस प्रकार के निरीक्षण नियमित रूप से किए जाते

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक हुई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त अभियोजकों को अधिक से अधिक मामलों में सजा कराने, विशेष तौर पर महिलाओं से संबंधित अपराधों व पास्को एक्ट से संबंधित मामलों में शत-प्रतिशत सजा कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। महिलाओं से संबंधित मामलों की गंभीरता के दृष्टिगत जिम्मेदारी पूर्वक अभियोजन करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा कराए जाने के लिये निर्देशित किया गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्शा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा महावीर सिंह जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी की के कार्यों की सरहाना की गई उक्त के अतिरिक्त राकेश मिश्रा जिला शासकीय अधिवक्ता के कार्यों की भी सराहना की गई इसके अतिरिक्त अमित कुमार सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी द्वारा पैरवी किये गये वादों में छह वादों में दोष मुक्त तथा एक वाद में सजा जिस पर जिला जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा अत्यंत रोष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, एएसपी अखिलेश भदौरिया, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

22 फरवरी यानी रविवार को सभी बूथों पर विशेष अभियान दिवस का होगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06 मार्च तक नियत है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने एवं नोटिस चरण में अपेक्षित प्रगति प्राप्त करने के उद्देश्य से 22 फरवरी (रविवार) को जनपद की सभी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उक्त तिथि विशेष को सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी (बी०एल०ओ०) पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराहन 01:30 बजे तक उपस्थिति सुनिश्चित करायेंगे तथा दावे और आपत्तियों से संबंधित भरे हुए फार्म-6, 6E, 7, 8 इत्यादि प्राप्त करेंगे। 22 फरवरी (रविवार) को विशेष अभियान के दौरान सभी मतदेय स्थलों के संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के पास 06 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, गणना अवधि के दौरान अप्राप्य (Uncollectable) श्रेणी में चिन्हित मतदाताओं (अनुपस्थित / शिफ्टेड/मृतक / डुप्लीकेट) की सूची के साथ-साथ दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सभी आवश्यक फार्म-6 (घोषणा-पत्र सहित), 6E, 7 एवं 8 (घोषणा-पत्र सहित) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हों या उससे पूर्व ही पूर्ण कर चुके हों तथा भारतीय नागरिक हों एवं उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र में सामान्यतः निवास कर रहे हों, तो वे उपर्युक्त विशेष अभियान तिथि में फार्म-6 (प्रथम बार आवेदन कर रहे नए मतदाताओं के पंजीकरण हेतु) घोषणा-पत्र सहित भर सकते हैं। साथ ही फार्म-७ए (प्रवासी भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु), फार्म-7 (निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति एवं पूर्व में शामिल नाम को अपमार्जित करवाने के लिये) तथा फार्म-8 (निवास परिवर्तन / मतदाता सूची में संशोधन / मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन / दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु) भरा जा सकता है। उपर्युक्त सभी फार्म अपने बूथ लेवल अधिकारी (BLO) या तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केन्द्र (VRC) या जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त करते सकते हैं। 4-भरा हुआ फार्म (घोषणा प्रपत्र सहित) निम्नलिखित स्थानों पर भी जमा किया जा सकता है:- अपने पोलिंग बूथ के बूथ लेवल अधिकारी (BLO) के पास, तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केन्द्र (VRC) पर, तहसील के तहसीलदार / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में, तहसील के उप जिलाधिकारी / निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में, जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों के अध्यक्ष मंत्री बूथ लेवल एजेण्ट्स से अपील की जाती है कि उक्त विशेष अभियान तिथि में अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें। उपर्युक्त विशेष अभियान दिवस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने एवं संशोधन इत्यादि के लिये भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट https://voters.eci.gov.in पर अपने Mobile No. द्वारा ऑनलाईन माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है तथा आवेदन फार्म डाउनलोड भी किया जा सकता है। साथ ही आयोग के ऐप ECINET अस्त्रस्त्र डाउनलोड कर ऑनलाईन सभी प्रकार के फार्म भरे जा सकते हैं। जनसामान्य से अपील है कि 22 फरवरी (रविवार) को निर्धारित विशेष अभियान तिथि पर अपने संबंधित बूथों पर जाकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें तथा आवश्यक होने पर फार्म-6, 6, 7 एवं 8 ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से भरकर दाये एवं आपत्तियां समय से दर्ज कराएं, ताकि मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाई जा सके।

यादव जी की लव स्टोरी फिल्म के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन, प्रतिबंध की मांग

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के नेतृत्व में अम्बेडकर पार्क, सम्भल-बहजोई में यादव जी की लव स्टोरी फिल्म को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरते हुए फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। फिरोज खाँ ने कहा कि वर्तमान माहौल में कुछ अराजक एवं असामाजिक तत्व अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए सामाजिक वातावरण को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है कि यादव जी की लव स्टोरी नामक फिल्म का निर्माण संदीप तोमर द्वारा, निर्देशन अंकित भड़ाना द्वारा किया जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रकृति तिवारी और अभिनेता विशाल मोहन मुख्य भूमिकाओं में हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म के कथानक से उनके समुदाय की भावनाएँ आहत हो रही हैं और इससे समाज में आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि फिल्म में यादव समाज की लड़की और मुस्लिम समाज के लड़के की प्रेम कहानी को काल्पनिक घटनाओं के आधार पर इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है, जो द्वेषपूर्ण एवं राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित प्रतीत होती है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे आस्था, संस्कृति और इतिहास को विकृत करने का प्रयास किया गया है तथा यह सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी सम्भल को व्हाट्सऐप के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन भेजकर यादव जी की लव स्टोरी फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गई, ताकि साम्प्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बना रहे तथा किसी भी धर्म या समुदाय की भावनाएँ आहत न हों। प्रदर्शन में कारी हनीफ, मौलाना कासिम, बदरूल हसन, महफूज, जबर सिंह, सलीम, शान, बिलाल खाँ, मौलाना नासिर, आरिफ खाँ, गौरव यादव, नफीस सैफी, मोनिस कुरैशी, गोरी पाशा, मौलाना रशीद और शाहरुख सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट वितरित कर दी गई जानकारी

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल सुश्री अनुकृति शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम०
हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

अमरोहा के जोया स्थित फ्रूट गोदाम में लगी भीषण आग,धूं-धूं कर जला गोदाम,लाखों का नुकसान

दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची,बमुश्किल आग पर पाया काबू

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया स्थित एक फ्रूट गोदाम में एक मामूली सी चिंगारी से भीषण आग लग गई जिससे गोदाम में रखा लाखों का माल जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बता दें कि शुक्रवार को जनपद के जोया ब्लॉक स्थित गांव जोई में एक फ्रूट गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों को लगाया गया, जिसके बाद कड़ी मशक्कत से लपटों को नियंत्रित किया जा सका।जोया चौकी प्रभारी संजीव कुमार अपनी टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी। आग की सूचना पर अमरोहा सदर सीओ अभिषेक यादव भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया।गोदाम में रखा माल जलकर राख गोदाम मालिक अहमद पुत्र दिलदार निवासी मोहल्ला खेड़ा, जोया ने बताया कि आग से फल की क्रेट्स और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। उन्होंने लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान जताया है।सीओ अभिषेक यादव ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंशिया ने किया अलग अलग विभागों का वार्षिक निरीक्षण

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा तहसील सम्भल, विकासखण्ड सम्भल एवं नगर पालिका परिषद् सम्भल तथा कोतवाली सम्भल का वार्षिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम तहसील सम्भल कार्यालय का निरीक्षण किया, रिकॉर्ड रुम को देखा एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। न्यायालय नायब तहसीलदार का निरीक्षण किया लंबित वादों की पत्रावली को चेक किया एवं निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा पुराने दायरे के निस्तारण को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा मतदाता पंजीकरण केन्द्र एवं आईजीआरएस कक्ष का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा फार्म 6 के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी कक्ष का निरीक्षण किया । जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कानूनगो कोई भी धारा 30, धारा 02,34/35 आदि की रिपोर्ट 30 दिन के अंदर भेजेंगे। नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार स्पष्ट संस्तुति परीक्षण करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा चकबंदी के विषय में भी जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी द्वारा बड़े बाकायदारों के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि 5 बड़े बाकायदारों के नाम चस्पा किये जाएं। लेखपाल के रिक्त पदों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि एक वर्ष से अधिक पुराने वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रमाण पत्र के स्थिति को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद् सम्भल को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील के प्रमुख बरामदों के आगे जाली लगवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड कार्यालय सम्भल का निरीक्षण किया तथा विभिन्न पंजिकाओं को चेक किया तथा ग्राम गजेटियर की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी सम्भल को निर्देशित करते हुए कहा कि अगर कोई ग्राम सचिव कार्य नहीं कर रहा है उसपर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण एवं सीएम आवास ग्रामीण के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा आईजीआरएस पटल का निरीक्षण किया तथा सुगम्य ज्ञान केन्द्र को देखा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सुगम्य ज्ञान केन्द्र को नियमित रूप से खोला जाए। परिसर में खड़े पुराने जर्जर वाहन को नीलाम करने को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा परिसर में स्थित टीन शेड को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि बंदरों से बचाव के लिए टीन शेड के बाहर जाली लगायी जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका परिषद सम्भल कार्यालय का निरीक्षण किया तथा सम्भल के वार्ड, सफाई कर्मचारियों के पद एवं तैनाती तथा अक्रियाशील वाहन , नगर में कचरा उठान को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों को संतृप्त किया जाए। कांजी हाउस एवं ऑडिट आपत्तियों के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लंबित जन्म प्रमाण पत्र को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सत्यापन सही हों। जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका के सभागार एवं लेखा विभाग आदि को चेक किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका परिसर पौधारोपण भी किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा कोतवाली सम्भल का निरीक्षण किया। थाना समाधान रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, चौकीदारों के पद, ग्राम अपराध रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर आदि चेक किये तथा शस्त्र लाइसेंस के संबंध में निर्गत लाईसेंस के अन्तर्गत कितने लोगों पर मुकदमा दर्ज हैं तथा कितने पाबंद हैं उनकी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यालय के सीसीटीवी कक्ष का निरीक्षण किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा सिंचाई विभाग कॉलोनी कनेटा रोड़ बहजोई स्थित सूचना विभाग में निमार्णाधीन पुस्तकालय कक्ष एवं कॉलोनी परिसर का निरीक्षण किया तथा कॉलोनी के परिसर में सौन्दर्यीकरण के प्रस्ताव को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा कार्य में प्रगति न होने पर संबंधित अधिकारियों को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी संभल रामानुज, क्षेत्राधिकार संभल कुलदीप कुमार ,तहसीलदार संभल धीरेंद्र सिंह ,खंड विकास अधिकारी संभल प्रेमपाल सिंह एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संभल डॉ मणि भूषण तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने की मां-नानी से तीन घंटे पूछताछ

-जांच का फोकस हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा

पटना(एजेंसी)। पटना के एक निजी हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को सीबीआई तीसरी बार जहानाबाद पहुंची, जहां मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित मृतका के पैतृक गांव में परिजनों से लंबी पूछताछ की। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस छात्रा के इलाज के दौरान की परिस्थितियों और हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा। सीबीआई के अधिकारियों ने मृतका की मां और नानी से करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई टीम यह समझने की कोशिश कर रही है कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की स्थिति कैसी थी और संचालिका की भूमिका इसमें क्या रही। जहानाबाद में पूछताछ के बाद टीम गया स्थित छात्रा के ननिहाल गई। जहां मृतका के मामा और अन्य रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई गई। बताया जाता है कि मृतक छात्रा के मामा चार भाई हैं। दो मामा बाहर नौकरी करते हैं। उनके परिवार के लोग गया में रहते हैं। दो मामा और नाना- नानी गांव में ही रहते हैं। सीबीआई ने सभी कड़ियों को जोड़ने के लिए परिवार के सदस्यों से सामूहिक रूप से बयान दर्ज किए हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से करीब चार घंटे पूछताछ की। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही के आरोप में एसआई हेमंत झा और चित्रगुप्तनगर थानेदार रोशनी कुमार को निलंबित किया गया था।

सीबीआई ने सवाल किए कि छात्रा के प्रभात हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों बरामद नहीं किए गए। परिजनों को कपड़े कैसे मिले और पुलिस को किस आधार पर दिए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में रेप की बात आने के बावजूद पुलिस ने इसे सुसाइड कैसे मान लिया। हालांकि, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार रात फेसबुक लाइव आकर इस मामले में पटना एसएसपी और एसपी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसएसपी बताएं मनीष को किस केस में गिरफ्तार किया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मृतक छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार आज भी अपने दावे पर कायम है। हम शुरुआत से ही पटना के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल पर शक कर रहे है और यहीं उसके साथ गलत हुआ है। घटना की सारे रहस्य हॉस्टल के अंदर ही हैं। सीबीआई ने परिवार से पहले दिन बात की थी, तभी उन्हें बताया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और वहां की वार्डेन को सामने बैठाकर पूछताछ कीजिए। इसके बाद पूरी असलियत सामने आ जाएगी।

रमजान के पहले जुमा पर बहजोई की मस्जिदों में उमड़ी भीड़

रोजेदारों ने मांगी अमन-चैन और भाईचारे की दुआ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में रमजान के पहले जुमा (शुक्रवार) को मस्जिदों में भारी भीड़ देखने को मिली। जुमा की नमाज का समय होते ही रोजेदार बड़ी संख्या में मस्जिदों में पहुंचने लगे और नमाज के समय मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भर गईं। पहले जुमा की विशेष अहमियत को देखते हुए नमाजियों में खास उत्साह दिखाई दिया। इमामों ने अपने खुत्बे में रमजान के पवित्र महीने की फजीलत बयान की और लोगों से आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद रोजेदारों ने मुल्क में अमन-शांति, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ मांगी। साथ ही समाज में भाईचारा कायम रहे और सभी समुदायों के बीच सौहार्द बना रहे, इसके लिए भी विशेष प्रार्थना की गई। मस्जिदों के आसपास सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन सतर्क नजर आया। कुल मिलाकर रमजान के पहले जुमा को लेकर बहजोई में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

उत्तर प्रदेश श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम का किया गया आयोजन

एलईडी वैन के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान की शुरूआत हरी झंडी दिखाकर वाहन को किया रवाना

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा एलईडी वैन/बस के माध्यम से जनपदों के शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को ह्यश्री अन्नह्ल (मिलेट्स) जैसे बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सावां आदि के प्रति जागरूक कर इनके उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में शुक्रवार प्रातः 10 बजे एलईडी वैन जनपद सम्भल पहुंची। तहसील चन्दौसी से गुलाब देवी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि रामपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर वैन को रवाना किया गया। वहीं कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई से मुख्य विकास अधिकारी, सम्भल एवं उप कृषि निदेशक, सम्भल द्वारा भी हरी झंडी दिखाकर श्री अन्न (मिलेट्स) योजना के प्रचार-प्रसार हेतु वैन को रवाना किया गया। यह एलईडी वैन जनपद की तीनों तहसीलों तहसील गुन्नौर के विकास खण्ड गुन्नौर स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार, तहसील चन्दौसी के विकास खण्ड बहजोई के कार्यालय परिसर (श्री अन्न मिलेट्स स्टोर के निकट), तथा तहसील सम्भल के एंचोडा कम्बौह क्षेत्र में पहुंचकर प्रचार-प्रसार करेगी। एलईडी वैन से प्रभावी प्रचार-प्रसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष रूप से तैयार एलईडी (छएऊ) वैन का सहारा लिया जा रहा है। यह वैन सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर श्री अन्न के महत्व पर आधारित लघु फिल्म, गीत, विज्ञापन एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के माध्यम से जानकारी प्रदर्शित कर रही है। इसके माध्यम से किसानों एवं आमजन में श्री अन्न को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और चर्चा तेज हो गई है। यह कैल्शियम, आयरन एवं फाइबर से भरपूर होता है। मधुमेह (डायबिटीज) और मोटापे जैसी बीमारियों से लड़ने में सहायक है। इसकी खेती में कम पानी की आवश्यकता होती है तथा विपरीत जलवायु परिस्थितियों में भी यह आसानी से उगाया जा सकता है। उत्पादन लागत कम आती है, क्योंकि इसमें कम पानी, उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता पड़ती है। विश्व स्तर पर बढ़ती मांग के कारण किसानों को बेहतर लाभ मिलने की संभावना है। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों और आमजन को पोषणयुक्त श्री अन्न की खेती एवं उपभोग के लाभों के प्रति जागरूक कर आत्मनिर्भर और स्वस्थ समाज की दिशा में कदम बढ़ाना है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कस्तूरबा विद्यालय बहजोई में आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बहजोई की छात्राओं को आत्मरक्षा का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करने के लिए सक्षम बनाना है। प्रशिक्षक सुरेश कुमार एवं महिला खिलाड़ी पूर्वी राघव ने छात्राओं को हैमर किक, साइड फेस किक और नकल पंच जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुरेश कुमार ने बताया कि छात्राएं मार्शल आर्ट सीखने के प्रति काफी उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में प्रशिक्षण में शामिल हो रही हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने जानकारी दी कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जनपद के जूनियर हाई स्कूलों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वासी और सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृत्ति तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं की जानकारी से पात्र बालिकाओं और महिलाओं को समय पर लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना भी है।

तालाब में मिला आठ दिन से लापता व्यक्ति का शव, परिजनों में मचा कोहराम

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के बगदाद अंसार रोड स्थित एक तालाब में आठ दिन से लापता व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अरसद 12 फरवरी से घर से लापता था। परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए थे, इसके लिए उन्होंने पर्चे भी बंटवाए थे। लेकिन कई दिनों तक कोई सुराग नहीं लग सका। रविवार को स्थानीय लोगों ने तालाब में एक शव उतराता देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकलवाया और पहचान कराई। परिजनों ने शव की शिनाख्त लापता व्यक्ति के रूप में की। पत्नी गजाला सहित परिजनों के मुताबिक मृतक अरशद (50 वर्ष)को शराब पीने की आदत थी और वह कई बार घर से बाहर चला जाता था, जिससे शुरू में परिवार को किसी अनहोनी की आशंका नहीं हुई। हालांकि समय बीतने पर चिंता बढ़ी और तलाश तेज की गई। पुलिस के अनुसार शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध नहीं लग रहा, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच जारी है। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है और लोग इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं।

रोडवेज बस में तोड़फोड़, चालक-परिचालक से मारपीट, नगदी लूटी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में दिनदहाड़े बदमाशों द्वारा रोडवेज बस में तोड़फोड़ और चालक-परिचालक से मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए। घटना चांदपुर चुंगी क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां चांदपुर डिपो की बस को रोककर करीब पाँच बदमाशों ने हंगामा किया। आरोप है कि बदमाशों ने बस में तोड़फोड़ करते हुए चालक और कंडक्टर के साथ मारपीट की तथा कंडक्टर से नगदी लूटकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि वारदात बीच शहर में हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार यात्रियों ने किसी तरह खुद को सुरक्षित किया। महिला कंडक्टर ने आरोप लगाया है कि बदमाशों ने मारपीट के साथ छेड़छाड़ भी की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद परिवहन कर्मचारियों में रोष व्याप्त है और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग उठाई है।

राजीव कुमार वर्मा के हाथ अब रेहड़ थाने की कमान

महिला सुरक्षा और अपराध मुक्त क्षेत्र बनाना रहेगा प्राथमिकता

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के रेहड़ थाने की कमान अब नवागत थाना प्रभारी राजीव कुमार वर्मा के हाथ में तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने सौपकर अपना भरोसा जताया है। पुलिस अधीक्षक ने राजीव कुमार वर्मा को प्रभारी विशेष जांच प्रकोष्ठ से स्थानातंरण कर रेहड़ थाने की जिम्मेदारी सौपी है जबकि बिजेंद्र सिंह राठी को रेहड़ से स्थानतरण कर अफगलगढ थाने का चार्ज सौपा है। नवागत थाना प्रभारी राजीव कुमार वर्मा ने एक मुलाकात में कहा कि शासन की मंशा के अनुसार मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं को संपूर्ण सुरक्षा प्रदान करना तथा कस्बे को क्राइम फ्री बनाना, और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन करना उनके सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक ने उनपर जो विश्वास जताकर रेहड़ थाने की कमान सौपी है, उसके लिए वह पुरा खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेंगे। हरदोई के पैतृक गांव निवासी राजीव कुमार वर्मा को रेहड़ थाना का प्रभारी के रुप मे कमान संभाली है।उन्होंने कहा की यहां के वासियों की सुरक्षा और उनके सम्मान को कभी ठेस नही लगने देगे। न्यायहित में पीड़ितों को न्याय और दबंगो व अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा

अलग-अलग सड़क हादसों में बुजुर्ग की मौत, चार घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को तीन अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों ने एक बार फिर यातायात सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए। इन दुर्घटनाओं में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए घायलों को अस्पताल भिजवाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहला हादसा हल्दौर थाना क्षेत्र के बिजनौर-नूरपुर मार्ग पर अट्टे वाले बाबा मंदिर के पास हुआ। गांव बल्दिया निवासी महिपाल (35) और अमरोहा जनपद के महदीमाफी निवासी दीपक कुमार (25) अपनी-अपनी बाइकों से जा रहे थे। बताया जाता है कि बिजनौर-मुरादाबाद स्टेट हाईवे से शेरपुर कल्याण मार्ग की ओर मुड़ते समय दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दूसरा हादसा नूरपुर-मुरादाबाद हाईवे पर गांव हसुपुरा मंडयो के पास हुआ। यहां गांव धौलागढ़ निवासी अजय (22) और उनके पिता पप्पू (52) एक कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद दूसरा चालक बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। घायल पिता-पुत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। तीसरा और सबसे गंभीर हादसा अफजलगढ़ क्षेत्र के रेहड़ इलाके में नबावाद गुरुद्वारे के पास हुआ। मानियावाला निवासी जाहिर (75) और सत्तार (60) बाइक से भिक्कावाला जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान जाहिर की हालत बिगड़ने पर उन्हें हायर सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने तीनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन चालकों की तलाश की जा रही है।

पिंजरे में कैद हुई मादा गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के मण्डावर थाना क्षेत्र के फैजुल्लापुर गांव में शुक्रवार सुबह उस समय हलचल मच गई, जब वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक मादा गुलदार फंस गई। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में गुलदार की मौजूदगी से दहशत का माहौल बना हुआ था। ऐसे में उसके पकड़े जाने की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। सुबह खेतों की ओर गए किसानों ने पिंजरे की दिशा से गुरार्ने की आवाज सुनी। पास जाकर देखा तो गुलदार उसमें कैद था। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। हालात को देखते हुए वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करते हुए गुलदार को सुरक्षित वाहन में रखकर रेंज कार्यालय ले जाया गया। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से गांव के आसपास गन्ने के खेतों में गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही थीं। किसानों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी थी, जिसके बाद एहतियातन खेत में पिंजरा लगाया गया था। विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को समूह में खेतों पर जाने, शोर करते हुए चलने और रात में खुले में न सोने की सलाह दी जा रही है। क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश गौतम ने बताया कि पकड़ी गई गुलदार मादा है और उसकी उम्र करीब पांच वर्ष आंकी गई है। फिलहाल उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

स्वास्थ्य जांच पूरी होने के बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। गुलदार के पकड़े जाने से गांव में सामान्य स्थिति लौट आई है, हालांकि ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी जारी रखने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

हरियाणा के कैथल में सफाई पर सालाना 9 नौ करोड़ रुपये खर्च, फिर भी गंदगी के लगे ढेर; कई जगहों पर अवैध प्वाइंट'

कैथल। शहर में सफाई को लेकर सालाना नौ करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन फिर भी कचरा के ढेर लगे रहे हैं। कई-कई दिनों तक कचरा का उठान नहीं पाता। कई जगहों पर तो कचरा के जो अवैध प्वाइंट हैं, वहां कचरा फैला रहता है, इसमें बेसहारा गोवंश मुंह मारते रहते हैं। इससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के रेलवे गेट, गीता भवन मंदिर के नजदीक, पुराना बस अड्डा, चंदाना गेट, प्रताप गेट, माडल टाउन रोड, प्योदा रोड के नजदीक, ढांड रोड सहित सेक्टरों में कचरा के ढेर लगे रहते हैं। इससे लोगों को काफी परेशानियों का समाना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि सफाई का कार्य केवल कागजों तक सिमटा हुआ है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद सफाई बेहतर नहीं हो पा रही है। सड़कों पर गंदगी फैली रहती है। इससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शहर में कई स्थान तो ऐसे हैं, जहां शिक्षण संस्थाओं व मंदिरों के आसपास कचरा जमा रहता है, यहां आने-जाने वाले लोगों को मुंह पर रूमाल रखकर सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। शहर से रोजाना निकलता है 80 टन कचरा बता दें कि शहर से रोजाना 80 टन कचरा निकलता है। कचरा को शहर से उठाकर खुराना रोड स्थित डंपिंग प्लांट में डाला जाता है। पार्षदों का कहना है कि सफाई व्यवस्था को लेकर हाउस की बैठक में कई बार आवाज उठाई जा चुकी है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई वार्डों में तो सफाई कर्मचारियों की संख्या को लेकर भी पार्षदों को जानकारी नहीं है। सफाई कर्मचारी कहां कार्य करते हैं, कितनी संख्या है, इसे लेकर नगर परिषद की तरफ से जानकारी तक पार्षदों को नहीं दी जाती। पार्षदों द्वारा कई बार यह आवाज उठाई गई है कि वार्डों में जो सफाई कर्मचारी हैं, उनकी हाजिरी पार्षदों के यहां लगाई जाए, ताकि पार्षद अपने अनुसार लोगों की डिमांड पर कार्य करवा सके, लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। केवल खानापूर्ति हो रही है: अनिल वार्ड नंबर 21 से पार्षद अनिल खुरानिया ने बताया कि सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है। उन्हें आज तक यह भी जानकारी नहीं है कि उसके वार्ड के कितने सफाई कर्मचारी हैं, क्योंकि सफाई कर्मी कब वार्ड में सफाई के लिए आते हैं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी जाती। वार्ड में सफाई को लेकर कार्य बेहतर नहीं हो रहा है। कई बार हाउस की बैठक में वे आवाज उठा चुके हैं, लेकिन अधिकारी सुनते ही नहीं है। डोर-टू-डोर कचरा का उठान सही नहीं: राजेश वार्ड नंबर 22 से पार्षद राजेश सिसोदिया ने बताया कि वार्ड में सफाई को लेकर कार्य बेहतर नहीं है। मात्र दो कर्मचारी उसके वार्ड में है। डोर-टू-डोर कचरा का उठान भी सही नही है। गंदगी के ढेर वार्ड में लगे रहते हैं। इस तरफ कोई ध्यान नगर परिषद अधिकारियों का नहीं है। पहले से सफाई व्यवस्था में हुआ है सुधार: प्रवेश वार्ड नंबर 17 के पार्षद प्रवेश शर्मा ने बताया कि पहले से सफाई व्यवस्था में सुधार हुआ है। प्रत्येक वार्ड में कमेटियों का गठन कर दिया है। इसमें पार्षद के अलावा संबंधित क्षेत्र का जेई, तीन मौजिज व्यक्तियों को कमेटी में शामिल किया गया है। उनकी मांग है कि वार्डों में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, सफाई व दरोगा के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए। मात्र एक सफाई कर्मचारी है: सुशीला वार्ड नंबर 11 से पार्षद सुशीला शर्मा ने बताया कि वार्ड में मात्र एक सफाई कर्मचारी दो माह से कार्य कर रहा है। वार्ड काफी बड़ा है, सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। वार्ड में सफाई न होने के कारण कचरा के ढेर लगे रहते हैं। इस बारे में कई बार मांग भी उठाई जा चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।सफाई व्यवस्था को लेकर किया जाता है निरीक्षण: संदीप नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप सोलंकी ने बताया कि शहर के सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए गंभीरता बरती जा रही है। वे स्वयं सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हैं। सभी 31 वार्डों में कमेटियों का गठन कर दिया है। इसमें पार्षद, जेई व मौजिज व्यक्तियों को शामिल किया गया है। कचरा का उठान समय पर हो, इसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं, समय-समय पर निरीक्षण भी किया जाता है। इसके साथ-साथ मानटिरिंग स्टाफ से भी रिपोर्ट ली जाती है। फिर भी कहीं कोई समस्या आ रही है तो संज्ञान में आते ही समस्या को दूर किया जाएगा।

मासूम जोया अमीन ने रखा पहला रोजा, देश-कौम की सलामती को उठे नन्हे हाथ

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- पाक महीने रमजान की रहमतों और बरकतों के बीच स्योहारा में एक बेहद भावुक और रूहानी मंजर देखने को मिला। वरिष्ठ पत्रकार अमीन अहमद की लाडली मासूम जोया अमीन ने अपनी ज़िंदगी का पहला रोजा रखकर अल्लाह की बारगाह में मुल्क, कौम और तमाम इंसानियत की सलामती के लिए दुआएं मांगीं। नन्ही सी उम्र, लेकिन जज्बा बड़ा सुबह सहरी के वक्त ही जोया की आंखों में रोजा रखने की चमक साफ दिखाई दे रही थी। पूरे दिन मासूमियत के साथ सब्र और शुकर का दामन थामे रही। शाम को इफ्तार के वक्त जब अजान की सदा गूंजी तो जोया ने अपने नन्हे हाथ उठाकर देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारे और तरक्की की दुआ की। घर के माहौल में भी एक खास रौनक देखने को मिली। परिवार के लोगों की आंखें उस वक्त नम हो गईं जब जोया ने कहा कि मैंने सबके लिए दुआ की है। उसकी मासूम आवाज और सच्चे जज्बात ने माहौल को और भी रूहानी बना दिया। पहला रोजा हर बच्चे की ज़िंदगी का एक यादगार लम्हा होता है, लेकिन जोया अमीन का यह कदम इसलिए भी खास बन गया क्योंकि उसने अपनी दुआओं में सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे मुल्क और इंसानियत को शामिल किया।

विवाहिता की तहरीर पर ससुरालियो पर मुकदमा दर्ज

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- दहेज के मुकदमें में समझौते के बाद भी दहेज लोभी ससुराल वालों द्वारा विवाहिता से मकान नाम करने व मोटरसाइकिल की मांग करने और न देने पर मारपीट करने के मामले में पीड़िता द्वारा शिकायत करने पर पुलिस ने ससुराल वालों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। निकटवर्ती ग्राम पखनपुर निवासी सना शाहिद पत्नी मोहम्मद गालिब ने अपने ससुराल वालों के विरुद्ध 323,504 व 3/4 दहेज अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें चार्जशीट भी दाखिल हो गई थी लेकिन पीड़िता सना ने अपने ससुराल वालों से समझौता कर लिया था और उसे घर ले गए थे लेकिन पीड़िता के आरोप के अनुसार ससुराल वालों का रवैया नहीं बदला और एक बार फिर समझौता होने के बाद भी दहेज की मांग करते हुए उसके पुश्तैनी मकान को नाम करने और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करने लगे और मना करने पर मारपीट कर घर से दोबारा निकाल दिया । पीड़िता के अनुसार 14 जनवरी को आरोपियों ने पीड़िता को गन्दी गन्दी गालियां दी और उस को जमीन पर गिराकर सभी लोगो ने लात-घूंसो से मारपीट की तथा उसके गले की सोने की चेन व कानों के झुमके छीन लिय और जन से मारने की धमकी देते हुए धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया मुल्जिमा तहजीबा व गालिब, मेहसर ने पीड़िता पर पेट्रोल डालकर जान से मारने का प्रयास किया।

पीड़िता द्वारा शिकायती पत्र देने के बाद पुलिस अधीक्षक के आदेश पर नगीना पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध 85,115(2), 351 (3), 352 बीएनएस व 3/4 दहेज अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोजा रखने से भूखे लोगों का एहसास पैदा होता हैं:- मुफ्ती नबील अहमद रशीदी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ऐ ईमान वालों तुम पर रोजा फर्ज. किया गया है जिस तरह तुम से पहले लोगों पर रोजा फर्ज. किया गया था ताकि तुम परहेजगार बनो, और कहा कि रोजा आधा सब्र है, और हर चीज कि जकात है और जिस्म की जकात रोजा है, मुफ़्ती साहब मुफ्ती नबील अहमद रशीदी नाईब जनरल सिक्रेटी जमीयत उलेमा ज़िला बिजनौर ने शुक्रवार की नमाज जुमा से पहले मस्जिद मदरसा नाबिनान नगीना में रोजें की एहमियत पर रौशनी डालते हुए कहा कि रोजा रखा करो इससे भूखे लोगों का एहसास पैदा होता हैं उन्होंने मजीद कहा कि ऐ ईमान वालों तुम पर रोजा फर्ज. किया गया है जिस तरह तुम से पहले लोगों पर रोजा फर्ज.किया गया था ताकि तुम परहेजगार बनो और कहा कि रोजा आधा सब्र है, और हर चीज कि जकात है और जिस्म की जकात रोजा है,मुफ़्ती साहब ने मुसलमानों से ये शिकवा किया है कि मुसलमान आशूरा का और 15वीं शाबान का नफली रोजा रखते हैं, जो अच्छी बात है, लेकिन वे रमजान के फर्ज. रोजे को छोड़ देते हैं.।

रमजान शरीफ का महीना अपने कर्मों को सुधारने और अच्छे गुणों वाला इंसान बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय है। इसमें दिन-रात खुदा की रहमतें पूरी दुनियां पर उतरती हैं। यह महीना हमारे सुधार के लिए बहुत कीमती समय है, ताकि आप एक नेक और कामयाब मुसलमान बनें, इस महिने में खुदा को खूब राजी करें।

रमजान के पहले जुमे पर मुल्क और कौम की सलामती के लिए उठे हाथ, मस्जिदों में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

स्यौहारा/बिजनौर (सब का सपना):- मुकद्दस माह रमजान के पहले जुम्मे की नमाज पर स्योहारा की तमाम मस्जिदों में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही रोजेदारों में खास जोश और अकीदत देखने को मिली। जुम्मे की नमाज के दौरान इमामों ने रमजान की फजीलत, सब्र, तकवा और इंसानियत का पैगाम देते हुए रोजे की अहमियत पर रोशनी डाली। नमाज के बाद मुल्क की तरक्की, अमन-चैन और कौम की खुशहाली के लिए खास दुआएं की गईं। रोजेदारों ने हाथ उठाकर देश में भाईचारे, आपसी मोहब्बत और नफरतों के खात्मे की दुआ मांगी। मस्जिदों के बाहर भी इबादत का माहौल नजर आया और लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी। उलेमा-ए-कराम ने अपने खिताब में कहा कि रमजान रहमतों, बरकतों और मगफिरत का महीना है। इस महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत, सदका-खैरात और जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया से दूर रहकर इबादत और अच्छे अखलाक को अपनाएं। पहले जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा हुई। प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। रमजान के पहले जुम्मे ने स्योहारा में रूहानी फिजा कायम कर दी, जहां हर जुबां पर दुआ और हर दिल में अमन की तमन्ना नजर आई।

दिल्ली के करोल बाग में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट से दिनदहाड़े लूट, 48 घंटे में 4 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। करोल बाग पुलिस स्टेशन की एक टीम ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने करोल बाग इलाके में शॉपिंग करने आए गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट के साथ मारपीट और लूटपाट की थी। आरोपियों ने पहले स्टूडेंट को नकली नोट दिखाकर ठगने की कोशिश की। जब वह नाकाम रहा, तो उन्होंने उसे पीटा और लूटपाट करके भाग गए। हालांकि, 48 घंटे के अंदर ही पुलिस ने 200 सीसीटीवी फुटेज की मदद से गैंग के लीडर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान इबरार उर्फ भूरा, सुलेमान उर्फ बाबू, आशिक खान और गैंग के लीडर असलम के तौर पर हुई है। चारों बवाना के रहने वाले हैं। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर अनंत मित्तल के मुताबिक, 16 फरवरी को एक युवक शॉपिंग के लिए द्वारका से करोल बाग आया था। मार्केट से कपड़े खरीदने के बाद एक अनजान आदमी ने उससे पूछा कि क्या मार्केट बंद हो रहा है, जिसे उसने इग्नोर कर दिया। थोड़ी ही देर बाद वही आदमी एक और आदमी के साथ उसका पीछा करने लगा। फोन और चेन छीन ले गए उन्होंने उसे यह कहकर धोखा दिया कि उसके मालिक से कैश चोरी हो गया है और उसे जमा करने में मदद चाहिए क्योंकि उसका बैंक अकाउंट नहीं है। उसका भरोसा जीतने के लिए, उन्होंने उसे अपने बैग में कैश भी दिखाया। हालांकि, वह उनके झांसे में नहीं आया। फिर आरोपियों ने उसके सिर पर ईंट से दो-तीन बार वार किया, उसका ढँझ्ल्ली और चांदी की चेन छीन ली और भाग गए। लूट का केस दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। अजमल खान मार्केट और आस-पास के इलाकों में 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज स्कैन की गई, जिसमें एक इको वैन में तीन संदिग्ध दिखे। लगातार कोशिशों और खुफिया जानकारी के आधार पर, पता चला कि संदिग्धों की इको वैन पीतमपुरा इलाके में थी और वे एक और क्राइम की प्लानिंग कर रहे थे। पीछा करने के बाद, चारों आरोपियों को दिल्ली कैंट के पास पकड़ लिया गया।

दिल्ली में पेंशन के लिए महिलाओं की नई सूची जारी, अब जोड़े गए 19 हजार से ज्यादा नाम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पुनः सत्यापन के बाद एक योजना के तहत 19,000 से अधिक संकटग्रस्त महिलाओं को वित्तीय सहायता बहाल कर दी है। दिसंबर 2023 में किए गए सत्यापन के बाद संकटग्रस्त महिलाओं के लिए दिल्ली पेंशन योजना के तहत 63,000 से अधिक लाभार्थियों की वित्तीय सहायता रोक दी गई थी। यह सर्वेक्षण आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा योजना के 3.81 लाख लाभार्थियों के बीच किया गया था। घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण में व्यापक अनियमितताएं सामने आने के बाद 63,844 महिलाओं के लिए 2,500 रुपये का मासिक लाभ अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। 3.96 से ज्यादा लाभार्थी इनमें से 11,239 मामलों को बाद में पुनर्सत्यापन प्रक्रिया के बाद दोहरी पेंशन, रोजगार, आवश्यकता न होने या मृत्यु जैसे कारणों से अपात्र घोषित किया गया। शेष 52,605 पात्र मामलों में से 19,000 से अधिक लाभार्थियों को पिछले महीने जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालयों द्वारा वित्तीय सहायता बहाल कर दी गई है। वर्तमान में योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या 3.96 लाख से अधिक है।

अभिनेत्री काजोल के नाम-छवि के दुरुपयोग पर सख्त हुआ दिल्ली हाई कोर्ट, एआई-डीपफेक कंटेंट पर लगाई रोक

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली अभिनेत्री काजोल देवगन की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने व्यवसायिक लाभ के लिए काजोल के नाम, छवि और वीडियो के इस्तेमाल पर अंतरिम रोक लगा दी। साथ ही प्रतिवादियों को काजोल से जुड़ी अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री को हटाने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि प्रतिवादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या डीपफेक के जरिए काजोल के नाम, छवि, वीडिया का उपयोग नहीं करेंगे।

उत्तम नगर ईस्ट स्टेशन पर मेट्रो के आगे कूदकर किशोर ने दी जान, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक 17 वर्षीय किशोर ने कथित रूप से चलती मेट्रो ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 11:07 बजे स्टेशन कंट्रोलर की ओर से सूचना मिली कि एक युवक ने प्लेटफॉर्म नंबर-1 से ट्रैक पर छलांग लगा दी है। उस समय द्वारका की ओर से आ रही मेट्रो ट्रेन के नीचे आने से किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद मेट्रो स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने युवक को ट्रैक से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान नजफगढ़ निवासी अश्विनी डागर के रूप में हुई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की कर रहा था तैयारी पुलिस जांच में सामने आया है कि अश्विनी ने हाल ही में 12वीं कक्षा पास की थी और उत्तम नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। प्रारंभिक जांच में व्यक्तिगत कारणों से परेशान होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और उसके पिता दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में संविदा चालक के रूप में कार्यरत हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में इनक्वेस्ट की कार्रवाई शुरू कर दी गई है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मेट्रो यूनिट के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच जारी है।

दिल्ली में एक साल का कार्यकाल सिर्फ 'फजीवाड़ा', मनीष सिसोदिया ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की भाजपा सरकार के एक साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश कर उसे हर क्षेत्र में फेल बताया। पंजाब प्रभारी व दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रिपोर्ट कार्ड रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार का एक साल दिल्लीवालों के साथ फजीवाड़े का रहा। भाजपा सरकार ने पूरे साल दिल्ली की महिलाओं, प्रदूषण कंट्रोल, मिडिल क्लास, युवाओं, गरीबों समेत पूरी दिल्ली के साथ सिर्फ फजीवाड़ा किया। महिलाओं को 2500 रुपए देने का वादा पूरा नहीं किया, सबसे प्रदूषित दिल्ली का रिकॉर्ड बनाया, नकली यमुना बनाई और गरीबों की झुग्गियां तोड़ दी। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार में नौकरी से निकाले गए एक लाख नौजवान घर में बैठ कर मातम मना रहे हैं, सड़कों में बने गड्ढे में गिर कर लोग अपनी जान गंवा रहे हैं और सरकार अपने एक साल कार्यकाल के पूरे होने का जश्न मना रही हैं। भाजपा सरकार ने एक साल में दिल्ली के सरकारी स्कूल, अस्पताल, जलापूर्ति समेत सारी जन सुविधाओं को बदहाल कर दिया। लिहाजा, अब दिल्ली की जनता को अरविंद केजरीवाल की याद आ रही है। शुक्रवार को आप मुख्यालय पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, वरिष्ठ नेता व विधायक कुलदीप

कुमार के साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार की एक साल की विफलताओं पर जमकर हमला बोला। भाजपा सरकार के एक साल, दिल्ली बेहाल, याद आ रहे केजरीवाल पोस्टर को प्रदर्शित कर मनीष सिसोदिया ने कहा कि एक साल पहले आज ही के दिन, 20 फरवरी 2025 को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी थी। हम यह नहीं कह रहे कि एक साल में सब कुछ हो जाना चाहिए था या सब कुछ बदल जाना चाहिए था। लेकिन पिछले एक साल में दिल्ली के लोगों ने भाजपा सरकार के कई फजीवाड़े देखे। एक तरह से पूरा एक साल दिल्ली के लोगों के साथ फजीवाड़े का रहा है। महिलाओं को नहीं मिले 2500 रुपए मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने सबसे पहला फजीवाड़ा दिल्ली की आधी आबादी, यानी महिलाओं के साथ किया। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की आधी आबादी को 2500 रुपए हर माह देने की गारंटी दी थी। पीएम ने गारंटी देते वक्त कहा था कि यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 8 मार्च 2025 से दिल्ली की महिलाओं के खातों में 2500 रुपए आने लगेंगे। यह बात प्रधानमंत्री ने चुनाव से पहले अपनी सारी रैलियों में बोली थी। मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि बहनों यकीन रखना, यह मोदी की गारंटी है। 8 मार्च को 9 मार्च नहीं होने दूंगा, लेकिन 8 मार्च और 9 मार्च तो छोड़िए, पूरा 2025 चला गया और दिल्ली की भाजपा सरकार को एक साल भी पूरे हो गए, लेकिन मोदी जी की गारंटी पूरी करने के नाम पर उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है। दिल्ली की सरकार ने जनता के साथ फजीवाड़ा किया है या मोदी जी की गारंटी को बदनाम कर रही हैं, यह वही जानें, लेकिन दिल्ली की महिलाओं के साथ तो धोखा हो गया

दिल्ली में बदलेगा पानी की बिलिंग का सिस्टम, डीजेबी करेगा जियो-टैगिंग; हर उपभोक्ता को मिलेगा यूनिक आईडी नंबर

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड उपभोक्ताओं की संपत्तियों को जियो-टैग करेगा, इसके साथ ही प्रत्येक संपत्ति को एक विशिष्ट ग्राहक परिसर पहचान संख्या (सीपीआर) आवंटित की जाएगी। ऐसा करके जल बोर्ड अपनी बिलिंग प्रक्रियाओं में सुधार करने जा रहा है। वर्तमान में जल बोर्ड के पास लगभग 29 लाख उपभोक्ता हैं। मगर इनमें से केवल 40 प्रतिशत को ही पानी के सही बिल मिल पाते हैं। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अनुसार बिलिंग प्रक्रिया का मौजूदा पैमाना, पुरानी प्रक्रियाएं, मैन्युअल हस्तक्षेप और खराब फील्ड ऑपरेशन के कारण बिलिंग की सटीकता को लेकर समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए डीजेबी राजस्व सहायता सेवाओं के

प्रबंधन हेतु एक उद्योग विशेषज्ञ को नियुक्त करने की योजना बना रहा है। इसमें बिल वितरण, स्पॉट बिलिंग सुविधा, कॉल सेंटर निगरानी और शिकायत निवारण शामिल हैं। हालांकि डीजेबी वर्तमान में स्थापित मीटरों के आधार पर उपभोक्ताओं के पते दर्ज करता है, फिर भी समय पर और सटीक बिलिंग न होने की शिकायतें लगातार बनी रहती हैं। डीजेबी अधिकारियों के अनुसार बोर्ड अपनी संपूर्ण बिलिंग प्रक्रिया को संभालने के लिए एक कंपनी की तलाश कर रहा है। योजना में प्रत्येक उपभोक्ता परिसर को अक्षांश और देशांतर निदेशांकों का उपयोग करके जियो-टैग करना शामिल है, ताकि मौजूदा मीटर नंबर के अतिरिक्त ग्राहक परिसर पहचान संख्या (सीपीआईडी) उत्पन्न और मैप की जा सके। अपनी बिलिंग प्रणालियों को सुदृढ़ करके डीजेबी का लक्ष्य स्थान की सटीकता सुनिश्चित करना और अपने रिकार्ड से डुप्लिकेट या गलत परिसरों को हटाना है। अधिकारियों का मानना है कि पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से जल उपयोग को औपचारिक रूप देने से इन नुकसानों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में जल और सीवर नेटवर्क की पहुंच का विस्तार करना और अपंजीकृत और अवैध कनेक्शनों के कारण होने वाले राजस्व रिसाव को रोकना है। डीजेबी इस प्रस्ताव को और परिष्कृत करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों के साथ एक संवाद का आयोजन भी करेगा।

पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में गैस सिलेंडर में लीकेज से लगी आग, एक ही परिवार के 6 लोग झुलसे; एम्स में भर्ती

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में शुक्रवार को झुग्गी बस्ती में एलपीजी सिलेंडर से रिसाव के कारण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों की पहचान हरिलाल, उनकी पत्नी राजकुमारी और उनके चार बच्चों आस्था, संजू, मुस्कान व राखी के रूप में हुई है। आग लगने के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में झुलसे सभी लोगों को तत्काल उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव बताया जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

2 दिन के गुजरात दौरे पर जाएंगे केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान भी होंगे साथ; प्रदेश नेतृत्व के साथ मुलाकात

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 21 और 22 फरवरी को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनके साथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह दौरा संगठनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर अहम माना जा रहा है। 21 फरवरी को अरविंद केजरीवाल अहमदाबाद में मीडिया को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही स्थानीय स्वराज चुनावों की तैयारियों

को लेकर प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। बैठक में संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति और पार्टी की आगामी योजनाओं पर चर्चा होने की संभावना है। भावनगर में सामूहिक विवाह समारोह में होंगे शामिल 22 फरवरी को केजरीवाल और भगवंत मान भावनगर में मांधाता ग्रुप द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम आप नेता राजू भाई सोलंकी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाएगा।

मुरलीधर मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता दौरे के दूसरे दिन दोनों नेता वल्लभीपुर तालुका के पछे गांव पहुंचकर मुरलीधर मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में भी शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी का यह दौरा गुजरात में संगठन को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तत्काल जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करें', कुलदीप सिंह सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को दिल्ली एचसी का आदेश

नई दिल्ली। दुष्कर्म पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत मौत मामले में दोषी करार दिए गए पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट ने जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग वाली जयदीप की अर्जी पर अदालत ने कहा कि अंतरिम जमानत को आखिरी बार अप्रैल 2025 में बढ़ाया गया था और तब से पांच तारीखों के बावजूद, कोर्ट ने जयदीप की सजा को और बढ़ाने या निलंबित का कोई आदेश पास नहीं किया है। ऐसे में जयदीप जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करे। सुनवाई के दौरान जयदीप की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने चिकित्सा आधार उसकी अंतरिम जमानत बढ़ाने का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने स्पष्ट किया कि पहले वह आत्मसमर्पण करें, तब अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग संबंधी अर्जी पर विचार किया जाएगा।

सागर धनखड़ हत्याकांड: ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत याचिका पर दिल्ली ह्रउ का नोटिस, पुलिस-परिवार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस और मृतक के परिवार को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 4 मई तय की है। गौरतलब है कि ट्रायल कोर्ट ने 6 फरवरी 2026 को इस मामले में सुशील कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया। यह मामला वर्ष 2021 में जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या से जुड़ा है, जिसमें सुशील कुमार समेत कई लोगों पर आरोप है। जमानत याचिका पर विचार की अपील इस दौरान अदालत ने दिल्ली पुलिस को मामले पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि हाई कोर्ट द्वारा पूर्व में जमानत देने के आदेश को अगस्त-2025 में सुप्रीम कोर्ट ने रद कर दिया था। साथ ही अदालत ने मौखिक रूप से आरोपित सुशील पहलवान की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता से पूछा कि एक बार सुप्रीम कोर्ट ने कोई राय बना ली है, तो आप हाई कोर्ट से क्या उम्मीद करते हैं? इसके जवाब में सुशील की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि जमानत याचिका पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि ट्रायल में सभी सरकारी गवाहों से पूछताछ हो चुकी है।

दिल्ली में रेखा सरकार का एक साल पूरा, सीएम ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड; पूरे हुए वादों की देखें लिस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में अपनी सरकार का एक साल का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार वादों की नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली सरकार है और बीते एक वर्ष में 'कागज कम, काम ज्यादा' के संकल्प के साथ कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कार्यभार संभालने के बाद सभी क्षेत्रों में ठोस बदलाव लाने की दिशा में काम किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर दिल्ली में सुशासन, सेवा और संवेदनशील प्रशासन को प्राथमिकता दी गई है। गरीब कल्याण और सामाजिक योजनाओं पर जोर सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान योजना लागू करने का निर्णय लिया गया, जिसका लाभ अब तक करीब सात लाख लोगों को मिल चुका है। 150 किलोमीटर सड़कें बनाई जा चुकीं 150 किलोमीटर सड़कों को बनाया जा चुका है। 400 किलोमीटर को मानसून से पहले बनाई जाएंगी। नंद नगरी फ्लाईओवर शुरू किया गया है। बारापुला फेज-3 जून तक और मुकरबा अंडरपास मार्च तक शुरू होगा। मोदी मिल और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर पर काम शुरू होने जा रहा है। दिल्ली ड्रेनेज मास्टर प्लान लागू किया गया है। 40 फुटओवर ब्रिज बनेंगे। पानी और आधारभूत सुविधाओं में सुधार मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी में जल आपूर्ति सुधारने के लिए 833 किलोमीटर नई पाइपलाइन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है तथा पुरानी सीवर लाइनों को बदला जा रहा है। जलशोधन संयंत्रों के उन्नयन का कार्य भी जारी है। उन्होंने कहा कि पानी के बिलों में राहत योजना का लाभ अब तक 3 लाख 52 हजार उपभोक्ताओं ने उठाया है। इस साल आरोग्य मंदिरों की संख्या करनी है 1100 सीएम ने कहा कि एक साल में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए गए हैं। इस साल 1100 तक ले जा पाएंगे। 5 अस्पताल में नए ब्लॉक शुरू किए गए हैं। अस्पतालों में गई मशीनें लगाई पिछली सरकार में फैलाए गए भ्रष्टाचार को दूर किया गया है, 53 एंबुलेंस शुरू की गई हैं। डॉक्टर और नर्स की कमी दूर की जा रही है। धूल और धुआं कम करने पर हो रहा काम सीएम ने कहा, प्रदूषण नियंत्रण के लिए पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया। हम धूल और धुआं को दूर करने पर काम कर रहे हैं। इसे लेकर हम साल ऑक्सीजन बढ़ाने वाले 35 लाख पेड़ लगाएंगे। सार्वजनिक परिवहन पर गंभीरता से काम हो रहा है, 4000 इलेक्ट्रिक बसें और 9000 चार्जिंग स्टेशन तक करने जा रहे हैं। नई ईवी नीति लेकर आ रहे हैं।

मरघट वाले हनुमान मंदिर में किया दर्शन सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रसिद्ध मरघट वाले हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मारुतिनंदन भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया। उन्होंने दिल्लीवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए

म्यांमार में बेची जा रही थी दिल्ली से चोरी हुई लग्जरी कारें, मेरठ कनेक्शन आया सामने; तीन कुख्यात दबोचे

ईस्ट दिल्ली। राजधानी से चोरी हुई गाड़ियां विदेश में बेची जा रही हैं। ये गाड़ियां मणिपुर के रास्ते म्यांमार में बेची जा रही हैं। ईस्ट डिस्ट्रिक्ट एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने एक गैंग का पदार्फाश कर तीन कुख्यात गाड़ी चोरों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान गैंग के लीडर सुल्तानपुर फूलपुर गांव के रहने वाले मशरूर, हापुड़ के पूर्वा बादुलवाली के रहने वाले आसिफ और मुजफ्फरनगर के रहने वाले अकील के तौर पर हुई है। मशरूर पर गाड़ी चोरी के 12 केस दर्ज हैं। उसने पिछले 30 सालों में 3,000 गाड़ियां चुराई हैं। उसे 15 साल बाद गिरफ्तार किया गया है। गैंग की जानकारी के बाद पुलिस ने गुजरात और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी की तीन गाड़ियां बरामद कीं। उनके पास से आठ मोबाइल सिम कार्ड बरामद हुए, जो सभी मणिपुर में फर्जी पते पर रजिस्टर्ड थे। ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के पुलिस डिप्टी कमिश्नर अभिषेक धानिया ने बताया कि थेफ्ट स्क्वॉड इंचार्ज पवन यादव की लीडरशिप में रक संदीप और एएसआई राजीव सोलंकी की एक टीम बनाई गई थी। जानकारी मिली थी कि जिले में एक गैंग काम कर रहा है, जो गाड़ियां

चुराकर दूसरे राज्यों में ले जाता है। टीम कई महीनों से इस गैंग को ट्रैक कर रही थी। 5 फरवरी को पुलिस ने काफी कोशिश के बाद उन्हें दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश किया गया और आठ दिन की रिमांड मिली। उनकी जानकारी के आधार पर साहिबाबाद, गाजियाबाद और गुजरात से तीन गाड़ियां बरामद की गईं। गैंग म्यांमार में विदेश में भी गाड़ियां बेचता था। गैंग के बाकी सदस्यों को पकड़ने के लिए मणिपुर, उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में रेड चल रही है। मणिपुर में रहते हैं गैंग के सदस्य गिरफ्तार अपराधियों ने बताया कि मणिपुर में उनके कई साथी हैं। मणिपुर के गुर्गों ने उन्हें नकली सिम कार्ड दिए थे। सरगना के पास अपने नाम का सिम कार्ड नहीं था। जब वह चोरी करने आता था, तो मणिपुर से चोरी किया हुआ सिम कार्ड एक से दो घंटे के लिए एक्टिवेट कर लेता था। इस वजह से वे पुलिस की पकड़ में नहीं आ रहे थे। गैंग का सरगना मशरूर अपने साथियों के साथ उत्तर प्रदेश से दिल्ली आता था। उसके पास डिजिटल चाबी बनाने का सामान था। वह इन इक्विपमेंट का इस्तेमाल चाबियां बनाने और चोरी के रक्ट कार्ड का इस्तेमाल करके मणिपुर में अपने साथियों से बात करने के लिए करता था। एक साल में, लगभग 30 कारें मणिपुर भेजी गईं, जहाँ से उन्हें म्यांमार में बेच दिया गया। मेरठ ले जाकर नंबर प्लेट बदल देते थे गैंग पुलिस पूछताछ में, गैंग के लीडर ने बताया कि वे दिल्ली में महंगी कारें चुराते थे।

वे उन्हें मेरठ ले जाते और नंबर प्लेट बदल देते। उसके बाद, वे गाड़ियों को मणिपुर, राजस्थान, गुजरात और दूसरे राज्यों में बेच देते।

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि 'फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी' है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी

होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी।' अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, 'ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।'

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, 'वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है।' हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया।

पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा

से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई। वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड: मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं। शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

कोलंबो । जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं। जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है। अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे। बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं। बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं। तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं। उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं। उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं

हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने लगाये हैं सबसे अधिक छक्के , एसोसिएट टीमों इटली और अमेरिका ने पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार सबसे अधिक चौके, छक्के मारने वाली टीमें में भारतीय टीम पहले नंबर पर है। यहां अभी तक 20 टीमों में हुए 39 मुकाबलों में 1000 से अधिक चौके और 500 से ज्यादा छक्के लगे हैं। अभी तक सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीमों में भारत 40, इंग्लैंड- 36, वेस्टइंडीज- 36, अफगानिस्तान- 34 हैं। वहीं मजेदार बात ये है कि इटली और अमेरिका की टीमें छक्के मारने में पाकिस्तान से आगे हैं। भारत की ओर से 11 छक्के तो अकेले ईशान किशन ने ही लगाए हैं। बता दें, ईशान किशन टी20 विश्व कप 2026 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने भी इतने ही छक्के लगाए हैं। इटली ने अफगानिस्तान के बराबर 34 छक्के लगाए। उनके आगे दो ही टीमें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 36-36 सिक्स लगाए है।पाक टीम इस सूची में नौवें नंबर पर है पाक ने टी20 विश्व कप 2026 में कुल 28 सिक्स लगाए हैं। उनसे ज्यादा अमेरिका ने 33 छक्के लगाये हैं।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी। इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी । उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी। तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को कहा था। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था। याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है। अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

उस्मान का गेंदबाजी एक्शन अनोखा लेकिन पाकिस्तान से मिलनी वाली चुनौती का अंदाजा :चैपमैन

कोलंबो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शनिवार को यहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप सुपर-आठ मुकाबले से पहले कहा कि पाकिस्तान के रहस्यमयी (अनोखे तरीके से गेंदबाजी करने वाले) स्पिनर उस्मान तारिक की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण से निपटने में उनकी टीम के लिए आपसी मुकाबलों का अनुभव अहम भूमिका निभाएगा।

सुपर-आठ चरण के ग्रुप-दो मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। अगस्त 2024 से अब तक न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे और टी20 प्रारूपों में कुल 20 द्विपक्षीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। चैपमैन का मानना है कि इन मैचों ने उनकी टीम को पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है।

चैपमैन ने कहा, 'उस्मान तारिक का एक अलग तरह का एक्शन है, खासकर क्रीज पर रुककर गेंदबाजी करने का अंदाज अनोखा है और इसे ध्यान में रखना होगा। पाकिस्तान के पास उनके अलाव भी कई बेहतरीन स्पिनर है हर स्पिनर अपनी अलग चुनौती पेश करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिसके खिलाफ हमने सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। हमें अच्छी तरह अंदाजा है कि वे किसी तरह की चुनौती पेश करेंगे। हमारे लिए अहम यह है कि हम एक टीम के रूप में अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहें।'

चैपमैन ने यह भी स्वीकार किया कि श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में धीमी हैं, ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। भारत में खासकर लाल मिट्टी वाली पिचों पर बल्लेबाजों को काफी मदद मिली है और यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल रहा है। आपने कई मुकाबलों में नियमित रूप से 200 के आसपास के स्कोर बनते देखे हैं। गेंदबाजों के सामने निश्चित रूप से चुनौती रही है। लेकिन यहां की पिचें थोड़ी धीमी हैं, जिससे गेंदबाजो को अपने कौशल दिखाने का बेहतर मौका मिल सकता है।'

उन्होंने संकेत दिया कि यहां स्पिन की भूमिका अधिक अहम हो सकती है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यहां स्पिन ज्यादा असर डाले। फिलहाल हमें पिच को देखकर ही अंतिम आकलन करना होगा। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने उम्मीद जताई कि सुपर-8 के सभी मुकाबले कोलंबो में खेले जाने से न्यूजीलैंड को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे टूर्नामेंटों में लगातार अलग-अलग मैदानों पर खेलना और परिस्थितियों के मुताबिक ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यहां तीनों मैच एक ही स्थल पर खेलने से हम हर मुकाबले के साथ बेहतर सीख हासिल कर पाएंगे। एक ही मैदान और लगभग समान पिचों पर खेलना हमारे लिए सकारात्मक है। यह ऐसी चीज है जिसकी हम शिकायत नहीं करना चाहेंगे।'

चैपमैन ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर की फिटनेस को लेकर चिंताओं को दूर किया। सेंटनर अस्वस्थता के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'मिच सेंटनर पूरी तरह

स्वस्थ नजर आ रहे हैं और मैदान पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। अंतिम समय में अगर कोई दिक्कत नहीं हुई तो वे उपलब्ध रहेंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पितृत्व अवकाश पर टीम से अलग हुए थे। वह वापसी की राह पर है और जल्द ही कोलंबो पहुंच सकते हैं। यह देखना होगा कि लंबी उड़ान के बाद उनकी स्थिति कैसी रहती है।'

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

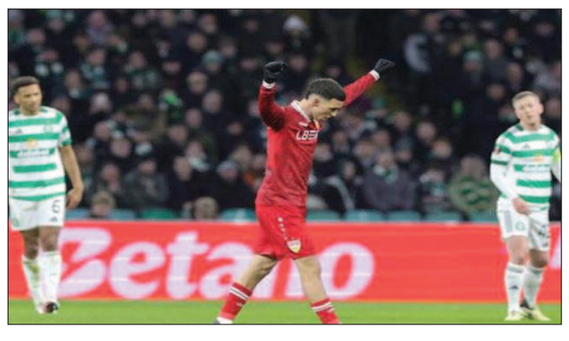

लंदन । नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया। वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वत-ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी। दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने महीप कपूर को दी नई पहचान

नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर को ऐसी पहचान दी, जो केवल संजय कपूर की पत्नी या सोनम कपूर की चाची तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 1982 में जन्मी और ऑस्ट्रेलिया में पली-बढ़ी महीप ने बॉलीवुड में कदम एक अभिनेत्री के तौर पर रखा था। महिप कपूर का बेबाक, नो-फिल्टर अंदाज और परिवार के प्रति समर्पण ने उन्हें दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 1994 में फिल्म 'निगम' में काम किया था, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। अभिनय से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपने करियर को नया मोड़ देते हुए ज्वेलरी डिजाइनिंग में कदम रखा और 'सत्यानी फाइन ज्वेल्स' के लिए ऐसे डिजाइन तैयार किए, जिन्हें बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनाया। महीप और संजय कपूर की शादी 1997 में हुई थी। बाहर से उनका रिश्ता एक खुशहाल फैमिली की तस्वीर जैसा दिखता था, लेकिन असलियत इससे अलग थी। 'बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में महीप ने अपनी निजी जिंदगी का वह दर्दनाक सच साझा किया, जिससे दर्शक अनजान थे। उन्होंने बताया कि शादी के शुरुआती सालों में संजय कपूर ने उन्हें धोखा दिया था। जब उनकी बेटी शनाया कपूर छोटी थीं, तब संजय का किसी और महिला से संबंध था। इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया। महीप ने यह भी बताया कि अफेयर की जानकारी मिलते ही वह बेटी को लेकर घर से निकल गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने संजय को माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला अपने बच्चों शनाया और जहान के लिए लिया और अपनी शादी को एक और मौका देने का निर्णय सही साबित हुआ, क्योंकि आज दोनों एक मजबूत रिश्ता साझा कर रहे हैं। महीप कपूर को लोग अक्सर 'मामा बियर' कहकर पुकारते हैं। वह अपनी बेटी शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हमेशा प्रोटेक्टिव रही हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अपने बच्चों के साथ बिताए गए पलों को साझा करती रहती हैं, जिससे साफ पता चलता है कि परिवार उनकी प्राथमिकता है। शनाया अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं, और महीप का समर्थन हर कदम पर उनके साथ दिखता है। ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में सफलता हासिल करने के बाद महीप आज एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार के रूप में भी लोकप्रिय हैं।

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है: अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है और एक्टर्स के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभिषेक बच्चन ने एआई को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वह इस तकनीक के साथ बहुत कम्फर्टेबल नहीं हैं। उनके मुताबिक, एआई भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में बड़े बदलाव ला सकता है और अगर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया तो इससे एक्टर्स के अवसरों पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के सहारे एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स और तकनीकी प्रक्रियाएँ आसान हो जाएंगी, जिससे फिल्म निर्माण का समय और बजट दोनों कम होंगे। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक्टिंग जैसे मानवीय कला के क्षेत्र में एआई कभी भी उस 'जान' को नहीं ला सकता, जो किसी कलाकार की आत्मा से निकलकर पर्दे पर दिखाई देती है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने कई एआई से तैयार चीज़ें देखी हैं जो देखने में बेहद आकर्षक और परफेक्ट लगती हैं, लेकिन उनमें मानवीय भावनाओं की गर्माहट और असलियत नहीं होती। उनका मानना है कि कलाकार की आत्मा, उसकी कमियाँ और उसकी अनूठी अभिव्यक्ति ही उसे खास बनाती हैं, और यही बात एआई कभी हासिल नहीं कर सकता।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है। असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं। अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर समाज में बदलाव चाहिए, तो पहल खुद से करनी होती है। महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियां हमेशा रही हैं, लेकिन उन्हें वह स्थान और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और बनाने का मौका मिला है, तो मैं इसे सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।' श्वेता का मानना है कि क्वीर कहानियों को असरदार बनाने के लिए उन्हें सनसनीखेज होने की जरूरत नहीं होती। कई बार ये कहानियां बेहद सरल, कोमल और दैनिक जीवन से जुड़ी होती हैं, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक जगह बनाए रखती हैं। श्वेता आगे कहती हैं कि उन्हें वह रास्ता अब साफ दिखाई देता है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं महिलाओं की कहानियों को मंच देना, क्वीर आवाज़ों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदारी बनाए रखना। उनके अनुसार यही उनके लिए एक कलाकार के रूप में अपनापन और उद्देश्य दोनों का भाव पैदा करता है। अभिनेत्री जल्द ही दर्शकों के सामने एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ होने वाली हैं। वे मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु और रसिका दुग्गल सहित कई पुराने और नए कलाकार दिखाई देंगे। बता दें कि अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियों को मुख्यधारा में मजबूत जगह दिलाने के लिए प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं।

इमेज को लेकर सजग थी, इसीलिए ठुकराए कई ऑफर: रवीना टंडन

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपने ग्लैमरस अंदाज़ से लेकर निजी जीवन तक सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के ऐसे फैसलों पर बात की है, जो आज भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता-निर्देशक करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है और सुपरस्टार शाहरुख खान के आइकॉनिक गाने छैंया छैंया को करने से इनकार कर दिया था और इसके पीछे की वजहें दिलचस्प हैं। रवीना ने बताया कि 90 के दशक में उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट ऑफर होते थे, लेकिन वह अपनी इमेज को लेकर बेहद सजग थीं। फिल्म कुछ कुछ होता है में टीना का रोल, जिसे बाद में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने निभाया, पहले रवीना को ऑफर हुआ था। लेकिन रवीना ने यह रोल ठुकरा दिया क्योंकि वह अपने दौर की दूसरी बड़ी स्टार काजोल के अपोजिट सेकंड लीड निभाना नहीं चाहती थीं।

उन्होंने बताया कि उन्होंने करण जौहर से साफ कहा 'काजोल मेरी ही जनरेशन की हैं, मैं उनके पीछे खड़ी नहीं हो सकती।' रवीना ने हंसते हुए कहा कि करण जौहर आज भी मजाक में इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनकी पहली फिल्म ठुकरा दी थी। हालांकि यह रोल रानी मुखर्जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट बन गया और फिल्म आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इसके अलावा, रवीना ने फिल्म दिल से के मशहूर गाने छैंया छैंया, जिसमें बाद में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा दिखीं, को भी करने से मना कर दिया था। उन्हें डर था कि 'शहर की लड़की' जैसे सुपरहिट गाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में 'आइटम सॉन्ग गर्ल' का टैग न दे दिया जाए। उस दौर में एक्ट्रेसेस के लिए स्टीरियोटाइप होना आसान था, इसलिए उन्होंने गाना छोड़ दिया। रवीना का कहना है कि उन्हें अपने निर्णयों पर कोई पछतावा नहीं है क्योंकि हर अभिनेता अपने करियर को अपनी समझ से दिशा देता है। दिलचस्प बात यह है कि जिन अवसरों को उन्होंने छोड़ा, वे रानी मुखर्जी और मलाइका अरोड़ा के लिए माइलस्टोन साबित हुए।

फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर फराह ने किया बड़ा खुलासा

अपनी सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनके मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान के अपोजिट निभाया गया चांदनी का आइकॉनिक रोल शुरुआत में सुष्मिता सेन को नहीं, बल्कि अभिनेत्री समीरा रेडडी को ऑफर किया जाना था। फराह ने यह राज अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत के दौरान खोला। फराह ने बताया कि उन्होंने समीरा को पहली बार 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था, जहां इंडियन ट्रेडिशनल लुक में उनकी खूबसूरती ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उस समय फराह को लगा कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल समीरा के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह सुनकर समीरा भी हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में पूछा कि फिर उन्हें कास्ट क्यों नहीं किया गया। इसके जवाब में फराह ने बताया कि समीरा के करियर की दिशा उस समय बदल चुकी थी, क्योंकि वह सोहेल खान के साथ अपनी डेब्यू फिल्म 'मैने दिल तुझको दिया' कर चुकी थीं। इस फिल्म के कारण उनकी स्क्रीन इमेज और प्रोजेक्ट्स अलग दिशा में जा रहे थे, जिसके चलते 'मैं हूं ना' के लिए सुष्मिता सेन को चुनना पड़ा। फराह ने साफ कहा कि समीरा उनकी पहली पसंद थीं, लेकिन उस समय परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं। समीरा रेड्डी ने इस खुलासे पर खुशी तो जताई, लेकिन थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी और इस फिल्म ने सुष्मिता सेन की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म में सुष्मिता द्वारा निभाया गया चांदनी का ग्लैमरस साड़ी लुक आज भी दर्शकों के बीच बेहद मशहूर है। फिल्म रिलीज़ के बाद यह फराह खान के निर्देशन करियर की धमाकेदार शुरुआत साबित हुई। दूसरी ओर, समीरा रेड्डी 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री' और 'रेस' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन बाद में उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली।

बदले हुए लुक को लेकर सुर्खियों में राजकुमार राव

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव एक शॉर्ट फिल्म के इवेंट में नजर आए, जहां रेड कार्पेट पर उनका अंदाज देखकर पैपराज़ी भी दंग रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राजकुमार राव की ताजा तस्वीरों और वीडियो में बदले हुए लुक में नजर आ रहे है। राजकुमार राव का वजन बढ़ा हुआ दिखता है, हेयरलाइन बदली हुई नजर आ रही है और उनकी पूरी पर्सनैलिटी में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उनके इस नए लुक ने फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी कि कहीं उनकी तबीयत तो खराब नहीं, लेकिन धीरे-धीरे असली वजह सामने आ गई है। एक्टर के करीबी सूत्र ने बताया कि राजकुमार राव पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके लुक में आया यह बदलाव जानबूझकर किया गया है। सूत्र के अनुसार, वे अपनी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए यह भारी-भरकम रूप लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के किरदार के लिए उन्होंने काफी वजन बढ़ाया है क्योंकि वे अपनी उम्र से काफी बड़े एक जाने-माने व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और राजकुमार राव इस समय दोबारा वजन कम करने की प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार, यह बायोपिक भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में गांगुली की क्रिकेट यात्रा, शुरुआती संघर्ष, कप्तान के रूप में उनके फैसले और भारतीय क्रिकेट के बदलाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया जाएगा।

'बैटल ऑफ गलवान' ने असली सैनिकों की सीरीज की जारी

'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म के मेकर्स ने असली आर्मी वेटरन्स और उनके परिवारों की कहानियों से जुड़ी एक विशेष वीडियो सीरीज जारी की है, जो उन खामोश ताकतों को सम्मान देती है, जो हर सैनिक के पीछे चुपचाप खड़ी रहती हैं। इन वीडियो को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि 'बैटल ऑफगलवान' उन परिवारों को सलाम करता है जिन्होंने हर पोस्टिंग, हर विदाई और हर वापसी को अपने दिल से जिया है। पहले वीडियो में तीसरी गोरखा राइफल्स के कर्नल महीप सिंह चड्ढा की बेटी मिसेज गानवी चड्ढा नज़र आती हैं। कर्नल चड्ढा 1965 और 1971 की जंग में शामिल रहे थे। मिसेज चड्ढा याद करती हैं कि कैसे उनके पति फील्ड एरिया में तैनात रहते थे और उनसे बात करने के लिए लोकल एक्सचेंज के जरिए कॉल बुक करनी पड़ती थी, जिसमें पूरा प्रोटोकॉल निभाना होता था। वह बताती हैं कि परिवार उन्हें कितना याद करता था, खासकर उनका पसंदीदा खाना बनाते समय। जब वह छुट्टी लेकर घर लौटते थे, तो वही खाना साथ बैठकर खाने में एक अलग ही खुशी होती थी। दूसरे वीडियो में 16 बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा (रिटायर्ड) की पत्नी मिसेज सविंदर मनचंदा उन तनाव भरी यादों को साझा करती हैं, जब उनके पति की यूनिट को अरुणाचल प्रदेश के वांगचुक जनजाति वाले क्षेत्र में भेजा गया था। वह बताती हैं कि उस इलाके में लगातार खतरा बना रहता था। टेलीफोन लाइनें बहुत दूर थीं और आवाज भी साफ नहीं आती थी, लेकिन किसी भी तरह पति की आवाज सुन लेना उनके लिए बड़ा सुकून था। तीसरे वीडियो में खुद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा दिखाई देते हैं, जिन्होंने 1972 से 2003 तक देश की सेवा की। वह अपने 32 साल के आर्मी सफर को जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा बताते हैं। गलवान घाटी के संघर्ष समेत कई कठिन ऑपरेशन्स को याद करते हुए उन्होंने भारतीय सेना और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन भावुक और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से सलमान खान फिल्म्स न सिर्फसैनिकों की बहादुरी को सम्मान दे रहा है, बल्कि उन परिवारों की कुर्बानियों को भी सलाम कर रहा है, जो हर वर्दी के पीछे की असल ताकत होते हैं। सलमा खान के प्रोडक्शन और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'बैटल ऑफ गलवान' बहादुरी, बलिदान और मानवीय रिश्तों की गहराई को दर्शाने की कोशिश करती है। चित्रांगदा सिंह भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। बता दें कि 'बैटल ऑफगलवान' के टीज़र को मिली दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान फिल्म्स लगातार देशभक्ति की भावना को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए इसके गाने 'मातृभूमि' और 'मैं हूँ' ने लोगों के दिलों में जोश और भावनाओं का एक नया उभार पैदा किया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।